संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -320 शनिवार ,21 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

लालू यादव की मुश्किलें बढ़ी

» लैंड फॉर जॉब मामले में चलेगा केस,
» गृह मंत्रालय ने सीबीआई को दी मंजूरी

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2024 (ए)। लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ने वाली है। गृह मंत्रालय ने सीबीआई को लालू यादव के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी दे दी है। सीबीआई ने यह जानकारी राऊज एवेन्यू कोर्ट में दी है। बता दें सीबीआई ने इस मामले में लालू यादव के खिलाफ केस चलाने की अनुमति मांगी थी। इससे पहले दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 18 सितंबर को 'नौकरी के बदले जमीन' से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू यादव, पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया था। उन्हें 7 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया है।
इस मामले में कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। वो एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। इस मामले में तेजप्रताप यादव को भी समन भेजा गया है। कोर्ट ने लालू यादव, तेजस्वी यादव,तेजप्रताप यादव, अखिलेश्वर सिंह, हजारी प्रसाद राय, संजय राय, धर्मेंद्र सिंह, किरण देवी को 7 अक्टूबर को तलब किया है।

24 घंटे के लिए पुलिस हटा दो, बीजेपी के नितेश राणा ने एक बार फिर दिया विवादित बयान

सांगली,20 सितम्बर 2024 (ए)। बीजेपी विधायक नितेश राणे एक बार फिर अपने विवादित बयानों के चलते सुर्खियों में आ गए हैं। सांगली में नितेश राणे ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है. नितेश राणे ने कहा,हम कह रहे हैं कि पुलिस वालों को एक दिन के लिए मैं छुट्टी देता हूं और फिर हम अपनी ताकत दिखाते हैं।
नितेश राणा ने कहा, एक दिन पुलिस को छुट्टी दे दो, हम अपनी ताकत दिखाते हैं. दरअसल, महाराष्ट्र गणेश उत्सव के दौरान पत्थरबाजी से बवाल मचा था, जिसके बाद एक बार फिर नितेश राणे ने बयान जारी किया है. गणेश उत्सव के दौरान भी नितेश राणे पर अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगा था, जिसके चलते उन पर एफआईआर भी दर्ज की गई थी. शिकायतकर्ता का आरोप था कि गणपति उत्सव के आयोजन में उन्हें बुलाया गया था और 11 सितंबर को कार्यक्रम के दौरान राणे ने अपने भाषण में कथित रूप से अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया और भड़काऊ भाषण दिया। इसी के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

तिरुपति मंदिर के लड्डू में मछली एवं सुअर की चर्बी

» तिरुपति लड्डू प्रसादम विवाद पर मंदिर प्रबंधन का सामने आया बड़ा बयान, घी आपूर्ति करने वाली कंपनी ने किया ये दावा

घी की आपूर्ति करने वाली कंपनी ने किया ये दावा

इस बीच चेन्नई में तिरुपति बालाजी मंदिर को घी की आपूर्ति करने वाली कंपनी 'आर डेरी' ने कहा कि उनके उत्पाद के नमूनों को अधिकारियों ने गुणवत्ता प्रमाणित करते हुए मंजूरी दी। डिंडीगुल स्थित कंपनी के प्रवक्ताओं ने संवाददाताओं को बताया कि केवल जून और जुलाई माह के दौरान ही उन्होंने तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर को घी की आपूर्ति की थी। यहां तक कि जब तिरुपति मंदिर को घी की आपूर्ति की गई थी, तो उसे विधिवत मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला रिपोर्ट के साथ भेजा गया था। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद सभी स्थानों पर उपलब्ध हैं और इनकी गुणवत्ता की जांच की जा सकती है।

दोषियों के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाहीःनड्डा

तिरुपति के विश्व प्रसिद्ध वेंकटस्वामी मंदिर में प्रसाद के लिए लड्डू को बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने पूरे मामले की फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआइ) से जांच कराकर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है।

लैब की रिपोर्ट आने के बाद ठेकेदार को काली सूची में डाला, जुर्माना भी लगेगा...

जे श्यामल राव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल किये जाने की शिकायत मिलने का जिक्र किया था। इसके बाद, आपूर्तिकर्ताओं को खराब गुणवत्ता वाला घी उपलब्ध कराने पर काली सूची में डालने की चेतावनी दी गई। बाद में, घी से भरे चार ट्रकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं पाए जाने पर घी के नमूने जांच के लिए भेजे गए। राव ने बताया कि प्रयोगशाला परीक्षण से पता चला कि नमूने में जानवरों की चर्बी की भी मिलावट थी। उन्होंने कहा, चारों नमूनों की रिपोर्ट में एक जैसे नतीजे आए। इसलिए हमने तुरंत आपूर्ति रोक दी। ठेकेदार को काली सूची में डालने के साथ ही जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अब कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

» मंदिर प्रबंधन ने बताया कि लैब की जांच से पता चला कि नमूने में 'लार्ड' (सुअर की चर्बी) की भी मिलावट थी...उन्होंने कहा,चारों नमूनों की रिपोर्ट में एक जैसे नतीजे आए। इसलिए हमने तुरंत आपूर्ति रोक दी...ठेकेदार को काली सूची में डालने के साथ ही जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है...

तिरुपति,20 सितम्बर 2024 (ए)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसाद में दिये जाने वाले लड्डुओं में पशुओं की चर्बी को लेकर उठे विवाद के बीच मंदिर प्रबंधन का काम देखने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने शुक्रवार को कहा कि मंदिर निकाय को घी आपूर्ति करने वालों ने आंतरिक मिलावट जांच सुविधा की कमी का फायदा उठाया और बाहरी सुविधाओं का भी उपयोग नहीं किया। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामल राव ने बताया कि प्रयोगशाला परीक्षणों में चयनित नमूनों में पशुओं चर्बी की मौजूदगी का पता चला है।

ठेकेदान ने इस चीज का फायदा उठाया

घी की गुणवत्ता पर ट्रस्ट के कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि घी की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता की कमी का कारण आंतरिक प्रयोगशाला का न होना,नमूनों को परीक्षण के लिए बाहर की प्रयोगशालाओं में भेजना और अव्यवहारिक दरें हैं। राव ने कहा कि आपूर्तिकर्ताओं ने इन कमियों का फायदा उठाया। बता दें कि टीटीडी इस लोकप्रिय पहाड़ी मंदिर का प्रबंधन करता है,जहां साल भर लाखों श्रद्धालु आते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट जज की विवादास्पद टिप्पणियों पर लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के एक जज द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की खंडपीठ ने लिया,जिसमें भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ भी शामिल हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट में जस्टिस वेदव्यासाचार स्रीशानंद ने एक मामले की सुनवाई के दौरान एक महिला वकील के प्रति अपमानजनक टिप्पणी की थी और बेंगलुरू के एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र को पाकिस्तान कहा था।
सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके साथ ही, कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को भी इस मामले में सहायता के लिए बुलाया है। इस संबंध में अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। सोशल मीडिया पर जज स्रीशानंद की दो वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो गई हैं। एक क्लिप में, जज ने बेंगलुरू के एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र को पाकिस्तान संबोधित करते हुए कहा कि वहां की स्थिति कुछ खास अच्छी नहीं है। दूसरी क्लिप में, उन्होंने महिला वकील से कहा, आप विपक्षी पार्टी के बारे में काफी ज्यादा जानती हैं, और इसके बाद उनकी टिप्पणी से काफी विवाद पैदा हो गया। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की वकील इंदिरा जयसिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की अपील की थी। उन्होंने बताया कि ऐसी टिप्पणियां न केवल न्यायपालिका की गरिमा को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि समाज में भी नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अन्य सुनवाई के दौरान दिल्ली के राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत का मुद्दा उठाया। इस पर कोर्ट को अटार्नी जनरल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले पर गृह मंत्रालय ने समिति का गठन कर दिया है। जिसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने समिति के काम में तेजी लाने की बात करते हुए कहा कि इस मामले पर अब ज्यादा विचार विमर्श नहीं किया जा सकता।

केंद्र सरकार को लगा जबरदस्त झटका

हाईकोर्ट ने फैक्ट चेक यूनिट को बताया असंवैधानिक

मुंबई,20 सितम्बर 2024 (ए)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को आईटी नियमों में 2023 के संशोधनों को खारिज कर दिया, जिसके तहत केंद्र सरकार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने कामकाज के बारे में फर्जी और भ्रामक सूचनाओं की पहचान करने और उन्हें खारिज करने के लिए फैक्ट चेक यूनिट स्थापित करने की अनुमति दी गई थी। जस्टिस अतुल चंदुरकर की टाई-ब्रेकर बेंच ने कहा, मेरा मानना है कि संशोधन भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 19 का उल्लंघन करते हैं।. जनवरी 2024 में जस्टिस गौतम पटेल और डॉ नीला गोखले की खंडपीठ द्वारा अलग-अलग फैसला सुनाए जाने के बाद यह मामला टाई-ब्रेकर जज के पास आया. न्यायमूर्ति चंदुरकर ने कहा कि संशोधन अनुच्छेद 21 का भी उल्लंघन करते हैं और आनुपातिकता के परीक्षण को संतुष्ट नहीं करते हैं। 2023 में, केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 (आईटी नियम 2021) में संशोधन किया था. लेकिन नियम 3, जो केंद्र को झूठी ऑनलाइन खबरों की पहचान करने के लिए एफसीयू बनाने का अधिकार देता है, को आलोचना और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की गई. स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा सहित याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि संशोधन सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 की शक्तियों (अल्ट्रा वायर्स) से परे थे और संविधान के समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) और किसी भी पेशे को अपनाने या कोई व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय करने की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19 (1) (ए) (जी)) का उल्लंघन करते थे।

दिखेंगे दो-दो चांद

पृथ्वीवासी रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2024 (ए)। आने वाली 29 सितंबर से अगले 50 दिनों तक पृथ्वीवासी अपने अंबर में दो-दो चांद देख सकेंगे। पृथ्वी की कक्षा के गुरुत्वीय क्षेत्र में फंसा एक क्षुद्र ग्रह यह दुर्लभ संयोग बना रहा है। इस खगोलीय घटना को 'मिनी मून' का नाम दिया जा रहा है। हालांकि '2024 पीटी-5' नामक यह क्षुद्र ग्रह चंद्रमा की तरह धरती की पूरी परिक्रमा नहीं कर पाएगा। वैज्ञानिकों ने बताया कि ये खगोलीय घटना 27 साल पहले भी हुई थी। पृथ्वी और मंगल के बीच की एस्टेरॉएड बेल्ट यानी क्षुद्र ग्रह कक्षा से यह भटक कर पृथ्वी की कक्षा में आ गया है। एस्टेरॉएड बेल्ट के जिस स्थान से यह आया है उसे 'अर्जुन बेल्ट या अर्जुन पट्टी' भी कहते हैं। इस क्षुद्र ग्रह का आकार 33 फीट का है। बीएचयू के भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ. अभय कुमार ने बताया कि खगोल विज्ञान के छात्रों के साथ ही शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों में भी इस घटना को लेकर काफी उत्सुकता है।
डॉ. अभय कुमार ने बताया कि '2024 पीटी-5' पृथ्वी की कक्षा में 4.5 मिलियन किमी की दूरी पर रहेगा। यह 3540 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा करेगा। काशी के युवा खगोल विज्ञानी वेदांत पांडेय ने बताया कि यह क्षुद्र ग्रह 25 नवंबर तक पृथ्वी की कक्षा में रहेगा। इसके बाद वह अर्जुन बेल्ट में लौट जाएगा। 50 दिनों में यह पृथ्वी की पूरी परिक्रमा नहीं कर सकेगा बल्कि घोड़े की नाल जैसे परिक्रमा पथ पर चलेगा।
आकार में छोटा और दूर भी होने के कारण पीटी-5 को बड़े टेलीस्कोप से ही देखा जा सकेगा। डॉ. अभय कुमार ने बताया कि रॉक मैटेरियल से बना होने के कारण यह अंतरिक्ष के प्रकाश से चमकेगा। हालांकि पृथ्वी की कक्षा में आने से इससे कोई खतरा नहीं है। 29 सितंबर के बाद से पृथ्वी के इस मिनी मून पर अध्ययन शुरू होगा। मिनी मून की घटना दशकों में एक बार होती है जब क्षुद्र ग्रह पट्टी से कोई पिंड पृथ्वी की कक्षा में चला आता है। वेदांत पांडेय ने बताया कि इससे पहले 2006 में ऐसे ही एक पिंड ने एक साल तक पृथ्वी का चक्कर लगाया था। नवंबर के बाद यह 'मिनी मून' 2051 में दोबारा पृथ्वी की कक्षा में लौटेगा।

मां के पेट में बच्चा,बच्चे के पेट में बच्चा...

» एमपी में आया अनोखा केस, डॉक्टर भी रह गए हैरान

सागर,20 सितम्बर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के सागर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। डॉक्टरी जांच में पता चला कि उस बच्चे के अंदर भी एक नवजात पल रहा है। हालांकि इसकी जानकारी डॉक्टरों को पहले ही हो गई थी। जब उन्होंने गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड किया था. मेडिकल की भाषा में इस कंडीशन को फीटस इन फीटू कहा जाता है।
रेयर मामला होने की वजह से नवजात को जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती किया गया है। शिशु का जीवन बचाने का एकमात्र उपाय सर्जरी है जिस पर चिकित्सकों में विचार विमर्श चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार लाखों महिलाओं में से किसी एक में ऐसा केस देखने को मिलता है

नवजात के अंदर पल रहा है एक और नवजात

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के रेडियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक डॉ. पीपी सिंह ने बताया कि करीब 15 दिन पहले केसली निवासी गर्भवती महिला 9वें माह में उनके निजी क्लिनिक पर जांच के लिए आई थी. जांच के दौरान महिला के गर्भ में पल रहे नवजात के अंदर भी एक बच्चा की मौजूदगी का संदेह हुआ था।
इस पर महिला को फॉलोअप के लिए मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए बुलाया गया. यहां विशेष जांच में पाया गया कि महिला के गर्भ के अंदर एक और बेबी या टेरिटोमा की मौजूदगी है। महिला को मेडिकल कॉलेज में ही प्रसव कराने की सलाह दी गई थी. चूंकि उसे आशा कार्यकर्ता लेकर आई थी, इसलिए वह वापस केसली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई. यहां महिला का सामान्य प्रसव हुआ।
डॉ. पीपी सिंह के अनुसार उन्होंने अपने जीवन में यह पहला केस देखा है. चिकित्सा इतिहास में इस तरह के केस काफी दुर्लभ हैं। 5 लाख मामलों में इस तरह का 1 केस सामने आता है. हालांकि अब तक दुनिया में इस तरह के 200 केस ही रिपोर्ट हुए हैं, जो लिटरेचर में ऑनलाइन अवेलेबल हैं। यह प्रेग्नेंट लेडी हमारे पास आठवें नौवें महीने में आई थी।
बच्चे के अल्ट्रासाउंड करने के बाद हमने पाया कि बच्चे के अंदर पेट में गांठ दिख रही थी। जिसमें कैल्शियम जमा हुआ लग रहा था लेकिन जब हमने उसमें डॉपलर करके देखा तो खून आने लगा था। जब ऐसा होता है तो संभावनाओं में सबसे पहले फिटस और फीटू करके कंडीशन होती है। उसमें की बच्चे के अंदर बच्चा पल रहा होता है।

मेडिकल भाषा में इस कंडीशन को फीटस इन फीटू कहा जाता है

पहली संभावना उसकी लग रही थी क्योंकि उसके डीडी में एक स्ट्रांग डीडी होती है जो मैच्योर टेरोटोमा होता है जो एक तरह का टयूमर होता है। इसमें कैली फिकेशन के पीछे जो शैडो हो जाती है,तो उसको क्लियर करने के लिए और हमने देखा, लेकिन उसमें दो संभावनाएं बनी एक तो बच्चे के अंदर बच्चा हो सकता है दूसरा ट्यूमर होने का अंदेशा था। इसके बाद नार्मल डिलीवरी हुई बेबी हुई। मासूम की सीटी स्कैन की रिपोर्ट आई है. लेकिन इसमें वह शैडो नहीं दिखाई दी जो पहले सोनोग्राफी में दिख रही थी। रिलेटिवली ऑर्गेनाइज्ड कैलशिफिकेशन जो दिख रहा था वह बच्चा होने की संभावना ज्यादा बताता है।

बलात्कार और हनी ट्रैप मामले में भाजपा विधायक गिरफ्तार

बेंगलुरु,20 सितम्बर 2024 (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मुनिरत्न को शुक्रवार को बेंगलुरु में बलात्कार और हनीट्रैप के आरोपों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। कागगलीपुरा पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी और विधायक को बेंगलुरु केंद्रीय कारागार से बाहर आते ही हिरासत में ले लिया।

संपादकीय

इस्तीफे का फैसला अप्रत्याशित

केजरीवाल का इस्तीफे का फैसला अप्रत्याशित है। वे एक तीर से कई निशाने साध रहे हैं। भ्रष्टचार पर जवाब दे रहे हैं और सहानुभूति बटोर रहे हैं।राजनीति में मतदाताओं और अपने प्रतिद्वंद्वियों को चौंकाने का या अप्रत्याशित निर्णय करने का अपना महत्व होता है। अरविंद केजरीवाल इसे बहुत अच्छी तरह से समझते हैं। तभी वे अक्सर अपने फैसलों से चौंकाते रहते हैं। याद करें कितनी मेहनत करके उन्होंने दिसंबर 2013 में कांग्रेस से तालमेल किया था। जिसके खिलाफ लड़े थे उसी के आठ विधायकों की मदद लेकर सरकार बनाई और लगा कि सब कुछ ठीक चल रहा है तो उन्होंने महज 49 दिन के बाद ही इस्तीफा दे दिया।वह इस्तीफा अप्रत्याशित था और उसके बाद फरवरी 2015 में हुए चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो बहुमत मिला वह भी अप्रत्याशित था। इसी तरह से केजरीवाल के इस बार के इस्तीफे का फैसला भी अप्रत्याशित है। आमतौर पर माना जा रहा था कि वे गिरफ्तार होंगे या जेल जाएंगे तो इस्तीफा देंगे। लेकिन तब उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया और अभी जब किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी तो उन्होंने इस्तीफे का ऐलान कर दिया।उनका इस्तीफा कई स्थितियों का मिलाजुला प्रतिफल है। इसके पीछे पांच महीने बाद होने वाले चुनाव की रणनीति तो है लेकिन कुछ और स्थितियां भी हैं। जैसे केजरीवाल की पार्टी चाहे जो भी दावे करे लेकिन उनको पता था कि सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की जो शर्तें लगाई हैं, उससे उनके हाथ बंधे हैं। वे कोई बड़ा नीतिगत फैसला नहीं कर पाएंगे। अगर सरकार लोक लुभावन फैसले करती है तो उप राज्यपाल द्वारा रोके जाने का अलग खतरा है। ऐसे में अगर वे खुद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहते हैं तो चुनाव में जनता को जवाब देना भारी पड़ेगा।दूसरे, उनको यह अंदाजा हो गया था कि गिरफ्तारी से ज्यादा सहानुभूति नहीं पैदा हुई है इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ कर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास किया है। उनको पता है कि विधानसभा का कार्यकाल पांच महीने से भी कम बचा है। इसलिए नाखून कटा कर शहीद होने में कोई समस्या नहीं है। वे साढ़े नौ साल से ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।एक कारण यह भी है कि वे भ्रष्टाचार के मसले पर भारतीय जनता पार्टी को जवाब देना और दिल्ली के मतदाताओं को मैसेज देना चाहते थे। दिल्ली शराब नीति केस में नाम आने और गिरफ्तारी के बाद से ही भाजपा के नेता अरविंद केजरीवाल से मुख्यमंत्री पद छोडने की मांग कर रहे हैं। जेल से निकलने के बाद भी इस्तीफे की मांग थमी नहीं है। केजरीवाल ने अब इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। सो, अब वे भाजपा नेताओं के हर हमले का जवाब सकेंगे कि उन्होंने तो इस्तीफा दे दिया।

आर्थिक विकास के साथ लोकतंत्र की रक्षा,वैश्विक पहचान का पैमाना

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

आजादी के 77 वर्ष के व्यतीत हो जाने के बाद स्वाधीनता एवं लोकतंत्र की आस्था का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की यथार्थ सीमाओं में वित्तीय विकास और प्रयास हमे वैश्विक स्थापना प्रदान करते हैं।आर्थिक विकास के बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था हमें मजबूत आधार स्तम्भ नहीं दे सकतीं हैं,मजबूत वित्तीय प्रबंधन और संवैधानिकता की जुगलबन्दी जी देश के चहुमुखी विकास को मूर्तरूप दे सक्सटें हैं।हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास को हमें अनंत काल तक बनाए रखना है और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है। वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 141 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन,कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा,स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया। वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के

संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाएद्य संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया। हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा। केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है। गरीबों को अनाज देने के साथ-साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती है। हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा,रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगाद्य यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता है। भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा है। जात-पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय है। इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है,बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया है। जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैंद्य 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैंद्य हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है। भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी है। संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही है। सांप्रदायिक सौहार्द्र बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही हैद्य आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी है। भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार,बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी है। हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित है। महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया है पर यह शत-प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई है। इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गया। भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कांग्रेस को बर्बाद करने की बकायदा कॉन्ट्रैक्ट

कांग्रेस जिस अंदाज से चुनाव मैदान में उतरी है उसे देखते हुए तो यही माना जा सकता है कि बहुत ही खूबसूरती' के साथ उसके साथ एक ऐसा खेला' हो चुका है कि अब कोई बड़ा चमत्कार' ही उसे चुनाव परिणामों में सम्मानजनक स्थान दिला सकता है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने एक नही कई सारे सेल्फ गोल' एक साथ कर लिए हैं। कोई माने या न माने चुनाव में पार्टी बुरी तरह से पिछड़ती नजर आ रही है।जिस अनमने ढंग से कांग्रेस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव लड़ रही है उसे देखते हुए ऐसा लगता है मानों किसी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस को बर्बाद करने की बकायदा सुपारी' ले रखी हो ? कांग्रेस जिस अंदाज से चुनाव मैदान में उतरी है उसे देखते हुए तो यही माना जा सकता है कि बहुत ही खूबसूरती' के साथ उसके साथ एक ऐसा खेला' हो चुका है कि अब कोई बड़ा चमत्कार' ही उसे चुनाव परिणामों में सम्मानजनक स्थान दिला सकता है। कांग्रेस के साथ किस किसने खेल' खेला, यह तो समय के साथ साफ होता चला जाएगा लेकिन भीतरघात के कुछ संकेत तो अभी से ही दिखाई दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने एक नही कई सारे सेल्फ गोल' एक साथ कर लिए हैं। कोई माने या न माने चुनाव में पार्टी बुरी तरह से पिछड़ती नजर आ रही है।दस वर्षों बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। मगर कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को देखकर लगता है जैसे उसे हल्का सा भी आभास नहीं था कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। जिस दिन निर्वाचन आयोग ने चुनाव घोषित किए ठीक उसी दिन कांग्रेस ने अपना प्रदेश अध्यक्ष बदलकर अपनी तैयारियों' का पहला प्रमाण दे दिया था। पार्टी ने वकार रसूल वानी की जगह तारीक हमीद कर्रा को नया अध्यक्ष बना दिया। वानी को अगस्त-2022 में उस समय प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया था जब गुलाम नबी आज़ाद के साथ बड़ी संख्या में लोग पार्टी छोड़ रहे थे। वानी को आज़ाद का खास आदमी माना जाता था मगर वानी ने उस संकट के समय पार्टी नही छोड़ी और आज़ाद के कारण टूट रही पार्टी को संभालने का पूरा प्रयास किया।लेकिन विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक वानी को बदलने का फैसला लेकर कांग्रेस ने उनकी दो साल की कोशिशों पर तो पानी फेरा ही, साथ ही साथ यह संदेश भी दे दिया कि पार्टी के लिए वफादार बने रहने का कोई मतलब नही है। कांग्रेस ने नया अध्यक्ष बनाया भी तो ऐसे व्यक्ति को बनाया जो कभी भी खुद को एक कांग्रेसी के रूप में ढाल ही नही सका है। गौरतलब है कि नवनियुक्त अध्यक्ष तारीक हमीद कर्रा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) छोड़कर कांग्रेस में आए थे। लेकिन कांग्रेस में आने के बाद भी बहुत अधिक सक्रिय कभी भी नही रहे हैं।किसी मुद्दे पर बोलते भी कर्रा कभी नजर नही आए हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी उपस्थिति बहुत कम रही है। सच्चाई यह है कि कर्रा को प्रदेश की राजनीति में कोई बहुत बड़ा नाम नही माना जाता है। कर्रा को एकाएक अध्यक्ष बनाए जाने से कांग्रेस को कोई बहुत बड़ा राजनीतिक लाभ मिलने वाला तो कतई नही था। फिर भी उन्हें अध्यक्ष बनाया जाना हैरान करने वाला फैसला था।पूरी प्रदेश कांग्रेस, विशेषकर जम्मू संभाग की इकाई के लिए कर्रा बिलकुल नए हैं। उनका पार्टी नेताओं तक से संपर्क भी बहुत कम रहा है। अध्यक्ष बनने के बाद अभी तक सिर्फ दो बार कर्रा जम्मू आ सके हैं। किसी भी जिले का अभी तक कर्रा दौरा तक नही कर सके हैं। कर्रा खुद भी चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में क्या वे अध्यक्ष के रूप में मिली ज़िम्मेदारी से न्याय कर सकते हैं ?दिलचस्प तथ्य यह है कि प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति का लगभग हर बड़ा नेता चुनाव लड़ रहा है। कर्रा के अतिरिक्त दोनों कार्यकारी अध्यक्ष भी अपना-अपना चुनाव लडने में व्यस्त हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने गलतियों पर गलतियां की हैं। एक और बड़ी गलती कांग्रेस ने नए प्रदेश अध्यक्ष के साथ दो कार्यकारी अध्यक्ष बना कर कर दी। रमण भल्ला पहले से ही कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे थे मगर उनके साथ तारा चंद को भी कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया। दोनों एक ही ज़िले से संबंध रखते हैं।ताराचंद अगस्त 2022 में पार्टी छोड़कर गुलाम नबी आज़ाद के साथ चले गए थे। बाद में दिसंबर 2022 में उन्होंने पार्टी में वापसी कर ली। सवाल उठता है कि पार्टी छोड़ देने वाले व्यक्ति को आखिर क्या सोच कर कांग्रेस ने कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। उन्हें इनाम दिया गया या कोई अन्य बड़ी मजबूरी' थी। प्रदेश में 2009 से 2015 तक रही कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस सरकार में ताराचंद उप-मुख्यमंत्री थे। उस दौरान उन पर कई बार कई गंभीर आरोप लगे, जिनका जवाब देने में कांग्रेस को बहुत मुश्किल हुआ करती थी। लेकिन बावजूद इस सबके ताराचंद को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया जाना कांग्रेस की अस्पष्ट नीतियों का एक बड़ा प्रमाण है। कांग्रेस का कहना है कि ताराचंद को अनुसूचित जातियों का नेता होने के नाते कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। मगर यहां भी सवाल उठता है कि अगर ऐसा करना था तो फिर मूलाराम को क्यों नही कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया? मूलाराम वरिष्ठ भी हैं और पार्टी के प्रति लगातार वफ़ादार भी रहे हैं।यही नही कांग्रेस ने गुलाम नबी आज़ाद के साथ जाने वाले नेताओं के लिए भी दोहरी नीति अपनाई। जो नेता दिसंबर 2022 में आज़ाद को छोड़कर वापस कांग्रेस में लौट आए थे उन्हें कांग्रेस ने खुशी-खुशी गले लगा लिया। ताराचंद भी उनमें से एक थे और किसी समय आज़ाद के सबसे करीबी नेता माने जाते थे। ताराचंद सहित जो लोग दिसंबर 2022 में वापस आए थे उनमें से कई को इस बार कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार भी बनाया है।लेकिन गुलाम नबी आज़ाद के साथ पार्टी छोड़ कर जाने वाले जो नेता विधानसभा चुनाव के समय वापसी करना चाहते थे मगर उनके लिए दरवाज़े बंद कर दिए गए।इन नेताओं में गुलाम मोहम्मद सरूरी, मजीद वानी और जुगल किशोर शर्मा प्रमुख हैं। सरूरी इंद्रवाल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ते रहे हैं और लगातार जीतते रहे हैं। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें यह कह कर टिकट नहीं दी कि वे आज़ाद के साथ चले गए गए थे। सरूरी अब स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।इंद्रवाल की तरह ही कांग्रेस ने कटड़ा-माता वैष्णोदेवी से भी टिकट देने में सिर्फ जुगल किशोर को इसलिए मना कर दिया क्योंकि जुगल किशोर शर्मा भी गुलाम नबी आज़ाद के साथ चले गए थे।जुगल किशोर शर्मा 2002 से 2008 तक रही कांग्रेस-पीडीपी सरकार में केबिनेट मंत्री रह चुके हैं। कटड़ा-वैष्णोदेवी सीट से जुगल किशोर शर्मा एक सशक्त उम्मीदवार साबित हो सकते थे। मगर कांग्रेस ने अंतिम समय पर उन्हें अपना उम्मीदवार बनाने से मना कर दिया। यही नही कांग्रेस ने कटड़ा-वैष्णोदेवी सीट से राजपूत प्रत्याशी मैदान में उतारा है जबकि यह एक ब्राह्मण बहुलता वाला इलाका है। जुगल किशोर शर्मा बगल की रियासी सीट से भी टिकट के इच्छुक थे मगर यहां से भी कांग्रेस नही मानी और उन्हें टिकट नही दी।उल्लेखनीय है कि कटड़ा-वैष्णोदेवी परिसीमन में नई सीट बनाई गई है। पहले यह क्षेत्र रियासी विधानसभा क्षेत्र का ही एक हिस्सा था।कांग्रेस ने जुगल किशोर शर्मा को मना करते समय एक और गलती यह कर दी कि रियासी जैसी हिन्दू बहुल सीट पर एक मुस्लिम प्रत्याशी को उतार दिया। यह फैसला भी कई कारणों से घातक ही साबित होने वाला है। ध्रुवीकरण का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलना तय हैजिस ढंग से कांग्रेस में सीटों का बंटवारा हुआ है उससे साफ तौर पर आशंका है कि 2014 की पुनरावृत्ति हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए यह स्थिति बेहद असहज हो सकती है।

-मनु श्रीवत्स-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नियद नेल्लानार से जुड़े विकास के तार

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही नियद नेल्लानार योजना मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए नियद नेंल्लानार योजना चलाई जा रही है। इससे क्षेत्रों के विकास में तेजी आई है। मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।नियद नेल्लानार योजना के तहत स्थानीय लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए सुरक्षा कैंप खोले गए हैं और इन सुरक्षा कैंपों की पांच किमी की परिधि में आने वाले गांवों में सरकार की 12कल्याणकारी एवं विकास योकजनाओं के अंतर्गत मूलभूत संसाधन जैसे आवास, पानी बिजली,सड़क, स्कूल आदि सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री की इस योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वालों को सार्वभैम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सस्ते में खाद्यान्न और प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत बस्तर संभाग के 1335 पकरवरों को घरेलू गैस सिलेंडर मिल गया है, जिससे उनका जीवन सहज और खुशहाल हुआ है। नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में 10हजार154 परिवारों का राशनकार्ड बनवाया गया है, जिससे उन्हें सस्ता खाद्यान्न मिलने लगा है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए बस्तर संभाग में नक्सल आतंक से बंद हुए42 प्राथमिक शालाओं को फिर से खुलवाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी टंकी का निर्माण कराकर सोलर मोटरपंप के माध्यम से स्वच्छजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस तरह राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग क लोगों के जीवन स्तर को उठाने के साथ ही वरदान साबित हो रही है।

-छ.ग. शासन-

संस्कृति विभाग (उ0 प्र0 सरकार) एवं हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा प्रियंका अग्निहोत्री गीत सम्मानित

वाराणसी(काशी),20 सितम्बर 2024। उ0 प्र0 सरकार द्वारा प्रयागराज महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित कवि कुंभ में नगर की जानी मानी प्रकाशक एवं साहित्यकार प्रियंका अग्निहोत्री गीत का संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश और हिन्दी साहित्य अकादमी द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भव्य आयोजन के अंतर्गत सम्मान किया गया। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश और साहित्य अकादमी द्वारा लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कवि कुम्भ कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के द्वारा किया गया । इसमें संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, पूर्व उप मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा भी शामिल हुए। कार्यक्रम में अनेक राजनेता, साहित्यकार, संस्कृति विभाग के अधिकारीगण एवं विभिन्न अभिनेता तथा क लाकार शामिल हुए। सम्मान शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर किया गया यह हिन्दी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष ओजकवि सौरभ सुमन, साहित्य अकादमी की संयोजक कवियत्री
अनामिका जैन अंबर व वरिष्ठ कवि डॉ0 हरिओम पंवार, गीतकार तथा कवि संतोष आनंद (इक प्यार का नगमा फेम), महाभारत टीवी सीरियल में द्रोणाचार्य की भूमिका निभाने वाले सुरेंद्र पाल, महाभारत सीरियल में युधिष्ठिर की भूमिका निभाने वाले गजेंद्र चौहान, टीवी सीरयल चाणक्य में चाणक्य की भूमिका निभाने वाले मनीष वाधवा, आदि फिल्म कलाकार की उपस्थित में दिया गया। प्रियंका अग्निहोत्री ने अपने मुक्तक जयचंदो के षड्यंत्रों से जूझ रहा है देश मेरा पर खूब तालियां बटोरीं। उल्लेखनीय है कि आपको साहित्य एवं जनसेवा हेतु अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। हिंदी साहित्य अकादमी का आपको यह तीसरा सम्मान है, वहीं उ0 प्र0 सरकार द्वारा मिशन शक्ति से भी पूर्व में सम्मानित किया जा चुका।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

न्याय की लड़ाई में हार-जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है सच्चाई की विजय

हमारे समाज में मीडिया का कॉरपोरेट तंत्र फल-फूल रहा है पर पत्रकारिता गहरे संकट में है। असल में पत्रकारिता प्रोफेशनल और ऑब्जेक्टिव होकर ही की जा सकती है। मौजूदा मीडिया उद्योग को प्रोफेशनलिज्म और ऑब्जेक्टिविटी हरगिज मंजूर नहीं! हमारे यहां पत्रकार तो बहुत हो गये हैं. टेलीविजन और अखबार भी बहुत हैं, पर पत्रकारिता बहुत कम है। रेगिस्तान में नखलिस्तान की तरह! टीवी में उसका संपूर्ण लोप हो चुका है! सिर्फ कुछ वेबसाइटों और कुछ अंग्रेजी अखबारों तक वह सीमित हो गई है! कुछेक हिन्दी अखबारों में वह यदाकदा किसी खास खबर या विश्लेषण में झलकती है! यह बड़ा संकट है!

आज चारण पत्रकारिता के इस दौर में,पत्रकारिता बची ही कहां है? सारे मालिक और सी ई ओ सिर्फ़ कमाई में लगे हैं तो ऐसे में आप लिखने पढ़ने वाले से क्या उम्मीद रख सकते हैं? अगर आपने बढ़िया लिखा, शासन-प्रशासन की बखिया उधेड़ी तो सी ई ओ आपको बाहर का रास्ता दिखाने में तनिक भी अपने संवाददाताओं के प्रति संवेदना उनकी मर जाती है पता नही क्यों...मेरे पत्रकार साथियों। खैर चाहते हो तो कुछ भी गुड़ गोबर लिखकर चुपचाप तनख्वाह लेते रहो, परिवार पलता रहेगा। आपके आसपास के कई साथी भी तो आजीविका के लिए नौकरशाह बनकर लोकतंत्र में पत्रकारिता के माध्यमसे अपनी चौथी भूमिका प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष निभा रहे हैं।

शहर हो या गांव, विकास की बात हो या समस्याओं की दस्तक,हर खबर सटीक और सच के साथ सबसे पहले आपके पास।मेरे क्रांतिकारी साथियों आपकी बेबाक और गहरी पत्रकारिता ने हमेशा सच का साथ दिया है और सभी को प्रेरित किया है।आपका समर्पण और निडरता समाज के लिए अनमोल हैं।

आदित्य गुप्ता
अम्बिकापुर, सरगुजा(छ.ग.)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हरियर-हरियर धानी अंचरा

अशोक
पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

लहर-लहर लहरावत हावय
हरियर-हरियर धानी अंचरा
झम-झम ले छटके हे बाली
जईसे पहिरे हे मुड़ म गजरा।
अन्नकुमारी हर परगट लागे
दमकत हावे धरती के कोरा
धनलक्ष्मी हर जागे हे जईसे
जेकर जन-जन करे अगोरा।
खेत-खार भुंईया ह हरियागे
सजगे हे मेड़ के फुल-फुंदरा
चहके चिरईयां रुखुवा डारा
किंजरे चिरई खोंदरा-खोंदरा।
मेड़-पार हरियाए हे सुग्घर
दमकत हावय कांदी-कचरा
तील,राहेर,हिरवां ह लहराए
माते फुलवा ह जईसे मोंगरा।
मोर नंगरिया किसानिन दाई
लुवत हे हरियर सुग्घर चारा
परिया,धरसा गाय-गरु चराये
मेड़-पार बंधाए हे कांदी भारा

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा .....अम्बिकापुर न्यायालय..... के अधीन होगा।

एसीबी ने पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर के भिट्ठीकला में फौती चढ़ाने के बदले 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते पटवारी को दबोचा गया है। पीड़ित ने एसीबी की टीम से शिकायत की थी। दोनों ही रिश्वतखोरों को जेल भेजने की कार्रवाई जारी है।

अंबिकापुर विकासखंड के ग्राम भिट्ठीकला,जोगीबांध व केराकछार हल्का नंबर 31 के पटवारी को 5 हजार की रिश्वत लेते एसीबी की टीम ने रंगे हाथों दबोचा है। दरअसल पटवारी द्वारा फौती चढ़ाने के एवज में रिश्वत की डिमांड की गई थी। इस संबंध में ग्राम भिट्ठीकला निवासी डोमन राम राजवाड़े ने बताया कि उसके पिता की मौत इसी वर्ष 1 जुलाई को हो गई थी। काम क्रिया करने के बाद 24 जुलाई को वह अपने 3 भाइयों व मां के साथ हल्का पटवारी विरेंद्र नाथ पांडेय के

वीरेन्द्र पांडेय

पास गया। यहां उसने फौती नामांतरण करने पटवारी से आग्रह किया। इस पर पटवारी ने कहा कि 5 हजार रुपए लगेंगे। जब उसने कहा कि फौती चढ़ाने के पैसे तो नहीं लगते हैं, लेकिन पटवारी ने बिना रुपए दिए काम नहीं करने की बात कही। इस पर डोमन राजवाड़े ने रुपए देने की हामी भर दी। इधर डोमन राजवाड़े ने मामले की शिकायत एसीबी की टीम से की। इस पर एसीबी की टीम ने पटवारी को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई। निर्धारित योजना के अनुसार शुक्रवार की दोपहर टीम ने केमिकल लगे 5 हजार रुपए डोमन को देकर पटवारी के पास भेजा। जबकि टीम भिट्ठीकला में ही स्थित पटवारी कार्यालय के आस-पास तैनात हो गई। फिर जैसे ही पटवारी वीरेंद्र नाथ पांडेय ने केमिकल लगे 5 हजार रुपए लिए, वहां मौजूद एसीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम द्वारा पटवारी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार, आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

4 अगस्त को पीड़िता ने महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह पुलिस को बताया कि आरोपी साबिर अंसारी शादी का झांसा देकर 1 वर्ष तक दैहिक शोषण किया है। इसके बाद वह शादी से इंकार कर दिया है। महिला थाना पुलिस आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाशी शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी अंसारी पिता इस्लाम अंसारी ग्राम देवगई तातापानी थाना रामानुजगंज के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

4.52 लाख रुपए हेरा-फेरी करने का मामला,फैक्ट्री के मैनेजर पर रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

विंडो फैक्ट्री के मैनेजर द्वारा 14.52 लाख रुपए हेरा फेरी करने का मामला सामने आया है। फैक्ट्री के संचालक ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में

दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार अमर अग्रवाल गंधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम शितलापारा डिगमा का रहने वाला है। इसका डिगमा में ही गणपति यूपीव्हीसी डोर एण्ड विंडो की फैक्ट्री है। फैक्ट्री की देख रेख व काम कराने के लिए राजेश गुप्ता निवसी बैकुंठपुर को मैनेजर रखा था। वह फैक्ट्री संचालक को विश्वास में लेकर सारा काम अपने जिम्मे ले लिया था। इसी बीच वह 1 जुलाई 2023 से 21 अक्टूबर 2023 के बीच ग्राहकों द्वारा दिए गए रुपए 14 लाख 52 हजार 241 रुपए गबन कर लिया। इसकी जानकारी फैक्ट्री संचालक अमर अग्रवाल को होने पर वह मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सूने मकान का ताला तोड़कर 4 लाख का जेवरात सहित 50 हजार नकदी पार

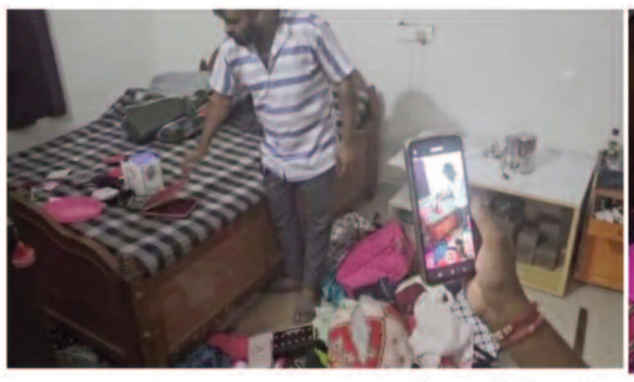

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया है। चोरों ने घर का ताला तोडक़र अलमारी में रखे लगभग 4 लाख रुपए का जेवरात सहित 50 हजार रुपए नकदी पार कर दिए हैं। मकान मालिक अपने परिजन के अस्पताल में भर्ती होने के कारण घर पर नहीं थे। दूसरे दिन घर वापस लौटने पर चोरी की घटना के बारे में पता चला। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार मनोज कुशवाहा गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर स्थित अटल आवास के पास का रहने वाला है। घर में उनका परिवार रहता है। इसके दो भाई बाहर नौकरी करते हैं। कुछ दिन पूर्व मनोज कुशवाहा के बड़े भाई यहां पहुंचे थे। मंगलवार को वे सडक़ दुर्घटना में घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके देख रेख के लिए पूरा परिवार घर बंद कर अस्पताल में ही था। बुधवार को ऑपरेशन के बाद गुरुवार परिजन घर पहुंचे तो घर का ताला टूटा था और अंदर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। परिजन ने सामान का मिलान किया तो पता चला की मनोज कुशवाहा के कमरे से अलमारी में रखे लगभग 4 लाख रुपए का सोने चांदी का जेवरा व 50 हजार रुपए नकदी नहीं थे। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

डीबीआर सुरक्षित, मॉनिटर ले गए साथ

मनोज कुशवाहा ने अपने घर में सीसीटीवी कैमरे लगवा रखा है। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के बाद सीसीटीवी का मॉनिटर अपने साथ ले गए हैं। जबकि सीसीटीवी कैमरा व डीबीआर सुरक्षित है। पुलिस अब चोरों तक पहुंचने के लिए डीबीआर खंगाल रही है।

तालाब में नहाने के दौरान दादा-पोती की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर में नहाने के दौरान दादा-पोती तालाब में डूब गए। किसी तरह दोनों को बाहर निकाला गया और इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार विष्णु घोष उम्र 65 वर्ष गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर स्थित घोष मोहल्ला में रहता था। वह शुक्रवार की दोपहर करीब 3 बजे 11 वर्षीय पोती के साथ मोहल्ले के तालाब में नहाने गया था। नहाने के दौरान पोती पानी में डूबने लगी। पोती को डूबता देख दादा बचाने के लिए तालाब में उतर गया। इस दौरान वह भी डूबने लगा। आस पास के लोगों ने देखा तो दोनों को किसी तरह तालाब से बाहर निकालकर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

शिवम स्वीट्स, बीकानेर भुजिया उद्योग, सरहुल इन सहित 2 अन्य पर खाद्य प्रकरणों में लगा अर्थदंड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर के पांच खाद्य प्रकरणों के निराकरण कर इन पर अर्थदंड लगाया गया है। इन जगहों पर मिथ्याछाप पाए गए मिश्रित तेल को नष्ट करने की कार्यवाही भी की गई।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि न्यायालय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकरी जिला सरगुजा सुनील कुमार नायक द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत सुनवाई करते हुए 05 खाद्य प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिसके तहत मे. शिवम स्वीट्स अंबिकापुर को 10 हजार, फर्म मे. बीकानेर भुजिया उद्योग अंबिकापुर को 10 हजार, फर्म मे. सरहुल इन अंबिकापुर को 20 हजार, लुकेश यादव ग्राम असकला को एक हजार, राकेश ओमप्रकाश बंसल को 50 हजार रूपए का अर्थदण्ड लगाया गया। इन सभी जगहों पर मिथ्याछाप पाए गए मिश्रित तेल को नष्ट किया गया।

बूचड़खाने ले जारहे 21 नग गाय,बैल,बछड़े को पुलिस ने सरपंच को किया सुपूर्द...गौ तस्कर पिकअप और मोवेशी छोड़ भागे

» स्थानी पुलिस की त्वरित कार्यवाही नहीं करने से ग्रामीण नाराज

- संवाददाता -
लखनपुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत विगत कुछ दिनों से अवैध तस्करों की गतिविधि ज्यादा देखने को मिल रही है। दिन गुरुवार की रात्रि लगभग 9:30 बजे लखनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोरजा के ग्रामीण द्वारा स्थानीय निवासी धर्म हरिजन के द्वारा ठोस एवं अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र परिसर में लगभग 21 नग गाय बैल को ले जाकर रस्सी में बांधकर मुख्य द्वार के ताला तोड़कर उक्त सारे मवेशियों को तस्करी के मनसा अनुरूप रखा गया था। जिससे ग्रामीणों को इसकी सूचना प्राप्त हुई झारखंड पिकअप नंबर जेएच 01 एफ ई 1923 को पिकअप में 8 से 10 नग लोडकर गौ तस्करी के लिए ले जाने की फिराक में थे । लखनपुर पुलिस के द्वारा सरपंच सुखसाय पोर्ते को सुचना देते हुए वहा बुलाया गया और सुपुर्द किया गया। सरपंच की सुचना पर उप सरपंच जयप्रकाश साहू विनोद यादव अवधेश यादव बृजेश यादव राकेश यादव संजय यादव विजय यादव अजय यादव कमलेश यादव रेवती रमन यादव अशोक यादव अनिल यादव कमलेश यादव सहित काफी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंचे ग्रामीणों के विरोध के कारण पिकअप चालक सहित गौ तस्कर वहां से भाग निकले जिसकी सूचना लखनपुर पुलिस को ग्रामीणों के द्वारा दी गई परंतु काफी बार थाना में सूचना देने के उपरांत भी मौके पर पुलिस आकर टालमटोल कर कार्रवाई करने से बच रही थी जिससे नाराज ग्रामीणों ने कार्यवाही नहीं होने की स्थिति देख पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर को मोबाइल के माध्यम से पूरी गतिविधि की जानकारी दी गई। जिस पर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर के निर्देश पर लखनपुर पुलिस हरकत में आई और मौके पर पेट्रोलिंग टीम पहुंच खड़ी पिकअप और 21 नग गायों को अपने कब्जे में लिया इसके उपरांत ग्रामीणों द्वारा पुलिस की कार्य पद्धति से नाराज कई गंभीर आरोप भी लगाया जा रहा है। जो की जांच का विषय है। वही ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है। यही नहीं मामले को रफा दफा करने के लिए गौ तस्करो के द्वारा ग्रामीणों को पैसे का भी ऑफर किया गया था। अब देखने वाली बात होगी कि गौ तस्करी मामले में किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है।पुलिस द्वारा उक्त मामले में अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम धारा 11 घ तथा धारा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परीक्षण अधिनियम 4 -6- 10 के तहत भी कार्रवाई की गई है।

इन्हीं जिलों के स्थानीय निवासी आवेदक ही हो सकेंगे भर्ती में शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अम्बिकापुर में 16 से 21 सितंबर तक हॉस्टल ड्यूटी हेतु पूरे सरगुजा संभाग के लिए 430 पद के लिए सिर्फ महिला उम्मीदवारों की भर्ती चल रही है। चयन समिति अध्यक्ष एवं संभागीय कमांडेंट नगर सेना राजेश पांडेय ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि 22 सितम्बर से जनरल ड्यूटी के 100 पदों जिसमें 75 पुरुष एवं 25 महिला पद शामिल हैं, उनके लिए भर्ती प्रक्रिया आरंभ होगी। इसमें संभाग से मात्र दो जिलों अम्बिकापुर एवं कोरिया के लिए ही क्रमशः 60 एवं 40 पद विज्ञापित किए गए थे, परंतु ये बात संज्ञान में आई है कि संभाग के अन्य जिलों के उम्मीदवारों ने भी इन पदों के लिए आवेदन किया है। उन्होंने बताया कि भर्ती समिति द्वारा ऐसे उम्मीदवारों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अगर यदि उनका ऑनलाइन आवेदन स्वीकार भी किया गया हो तो टाइम टेक्नोलॉजीज कंपनी हैदराबाद को निर्देशित किया गया है कि ऐसे आवेदकों का आवेदन शुल्क उनके बैंक खातों में वापस किए जाए। इसलिए यह अपील की गई है कि जनरल ड्यूटी के लिए केवल वही महिला एवं पुरुष आवेदक उपस्थित हों, जो जिला अम्बिकापुर या कोरिया जिसमें मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर भी शामिल हैं, इन स्थानों के निवासी हैं और पद के लिए आवेदन किए हैं।

विभिन्न खाद्य प्रकरणों में लगाया गया अर्थदंड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शहर के पांच खाद्य प्रकरणों के निराकरण कर इन पर अर्थदंड लगाया गया है। इन जगहों पर मिथ्याछाप पाए गए मिश्रित तेल को नष्ट करने की कार्रवाई भी की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि न्यायालय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकरी जिला सरगुजा सुनील कुमार नायक द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत सुनवाई करते हुए 5 खाद्य प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिसके तहत मे. शिवम स्वीट्स अम्बिकापुर को 10 हजार, फर्म मे. बीकानेर भुजिया उद्योग अम्बिकापुर को 10 हजार, फर्म मे. सरहुल इन अम्बिकापुर को 20 हजार, लुकेश यादव ग्राम असकला को एक हजार, राकेश ओमप्रकाश बंसल को 50 हजार रूपए का अर्थदण्ड लगाया गया तथा मिथ्याछाप पाए गए मिश्रित तेल को नष्ट किया गया।

कवर्धा की घटना को लेकर 21 सितंबर को कांग्रेस ने बंद का किया आह्वान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कवर्धा जिले के ग्राम लोहारीडीह में विगत 1 सप्ताह में हत्या, आगजनी और पुलिस प्रताडना के कारण हुई मौत के साथ ही साथ पूरे प्रदेश में बदहाल हो चुकी कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 21 सितंबर को पूरे प्रदेश में बंद का आवाहन किया है। समूचे छत्तीसगढ में आये दिन बडी आपराधिक घटनाएं खुलेआम और दिनदहाडे हो रही हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। गृहमंत्री के गृहजिले कवर्धा में लोहारीडीह में हुई घटनाएं इस सरकार की अकुशलता को स्पष्ट करता है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री दीपक बैज ने कहा है कि कानून-व्यवस्था स्थापित करने में यह सरकार पूरी तरह विफल रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ करने, बढते

अपराधों पर अंकुश लगाने और कवर्धा कांड के दोषी पुलिस अधिकारियों पर कानूनी कारवाई बाबत 21 सितंबर को 1 दिन के प्रदेश बंद का आवाहन किया है। बंद से व्यापार प्रभावित न हो इसे ध्यान रखकर बंद का समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक का रखा गया है। प्रदेशव्यापी बंद की तैयारियों को लेकर आज शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी, सरगुजा की बैठक राजीव भवन में रखी गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बंद के समर्थन के लिए व्यापारी संगठन के प्रमुख और स्कूलों को पत्र लिखकर अनुरोध किया जायेगा। निर्णय के उपरांत चेम्बर ऑफ कॉमर्स, कैट सरगुजा, किराना व्यावसायिक संघ, सर्राफा व्यापारी संघ, व्यापारी महासंघ, अग्रवाल सभा, कंपनी बाजार व्यापारी संघ, गुदरी बाजार व्यापारी संघ, फल विक्रेता संघ, कुंडला सिटी व्यवसायी संघ आदि संगठनों के साथ ही साथ निजि स्कूलों के संगठनों को भी शनिवार को बंद के समर्थन हेतु पत्र दिया गया है।

बेरूत में इस्राइल के हमले में आठ की मौत, 59 घायल;हिजबुल्ला कमांडर इब्राहिम अकील थे निशाना

बेरूत,20 सितम्बर 2024। पहले पेजर विस्फोट, फिर रेडियो सेट और वॉकी-टॉकी में विस्फोट के बाद इस्राइली सेना की तरफ से लगातार दूसरे दिन हिजबुल्ला पर हवाई हमला जारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस्राइली सेना ने खुद इसकी जानकारी देते हुए बताया कि उसकी तरफ से बेरूत कुछ जगहों को निशाना बनाते हुए हमला किया गया है।

हमले में तीन की मौत, इस्राइल ने इब्राहिम अकील को बनाया निशाना

वहीं इस हमले के बाद लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि बेरूत के उपनगरीय इलाकों में इजरायली हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए, 59 लोग घायल हुए हैं। जबकि एक इस्राइली अधिकारी ने कहा कि बेरूत में इस्राइल की तरफ से किए गए हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी इब्राहिम अकील को निशाना बनाया गया था।

चार दिनों से हिजबुल्ला पर टूट रहा कहर

हिजबुल्ला को पिछले चार दिनों से काफी नुकसान और इस्राइल की तरफ से हमले झेलने पड़े हैं, इस कड़ी में जहां बीते मंगलवार को लेबनान में हिजबुल्ला के लड़ाकों की तरफ से संचार व्यवस्था के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हजारों पेजर में हुए विस्फोट में कई लड़ाकों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। वहीं बुधवार को रेडियो सेट और वॉकी-टॉकी में हुए धमाकों में भी कई लड़ाकों की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक इन दोनों धमाकों में 30 से ज्यादा लोगों की मौत और 3000 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

हिजबुल्ला ने इस्राइल पर लगाए कई आरोप

हिजबुल्ला ने इन उपकरणों में हुए विस्फोट के लिए इस्राइल को जिम्मेदार ठहराया था, वहीं इस्राइली सेना इस मामले में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी थी। इसके अगले दिन गुरुवार को तड़के सुबह हिजबुल्ला की तरफ से इस्राइल पर किए गए हमले में इस्राइली सेना के दो जवानों की मौत हुई है। जिसके बाद इस्राइल ने पलटवार करते हुए हिजबुल्ला पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। इसी कड़ी में इस्राइल की तरफ से लेबनान सीमा पर सैनिकों की तैनाती भी बढ़ा दी गई हैं। वहीं हिजबुल्ला चीफ हसन नसरल्ला ने उपकरणों में हुए विस्फोट को लेकर इस्राइल को धमकी भी दी थी। जिस पर इस्राइली सेना के प्रमुख की तरफ से कहा गया था कि वो हिजबुल्ला की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और हिजबुल्ला को उसके हमलों के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

हिज्बुल्ला ने उत्तरी इस्राइल पर दागीं 140 मिसाइलें,भारी नुकसान की आशंका

यरूशलम, 20 सितम्बर 2024। इस्राइल और लेबनान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को लेबनान समर्थित हिज्बुल्ला ने उत्तरी इस्राइल में एक के बाद एक 3 हमलों को अंजाम दिया है। इन तीन हमलों नें हिज्बुल्ला आतंकियों ने करीब 140 मिसाइलें दागीं। अभी तक इन हमलों में हुए नुकसान का पता नहीं चल सका है।

इससे पहले लेबनान में पेजर और वायरलेस जैसी छोटी डिवाइसों के जरिए सैंकड़ों लोगों को निशाना बनाने के बाद इस्राइल ने गुरुवार देर हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले कर दिए। सेना ने बताया लड़ाकू विमानों ने बमबारी करके उन सैकड़ों रॉकेट लॉन्चर बैरलों को नष्ट कर दिया, जिन्हे इस्राइल की ओर दागा जाना था।

इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने दोपहर से लेकर देर रात तक करीब 100 रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया, जिनमें लगभग एक हजार बैरल थे। आईडीएफ का कहना है कि, वह अपने देश की रक्षा के लिए हिज्बुल्ला आतंकवादी संगठन के बुनियादी ढांचे और क्षमताओं को नष्ट करने के लिए हमला करना जारी रखेगा।

कमला हैरिस को हॉलीवुड से मिल रहा एकतरफा समर्थन, ओपेरा शो में गन कल्चर को लेकर दिया बड़ा बयान

मिशिगन,20 सितम्बर 2024। अमेरिका में इस साल नंबवर में होने वाला राष्ट्रपति चुनाव दिनों-दिन दिलचस्प होता जा रहा है। हॉलीवुड के सेलिब्रिटी लगातार अपने पसंदीदा उम्मीवार के सपोर्ट में उतर रहे हैं। डेमोक्रेट की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को टेलर स्विफ्ट के बाद अब मीडिया मुगल ओपरा विन्फ्रे का भी समर्थन मिल गया है। कमला हैरिस प्रेसिडेंट की रेस में लगातार आगे बढ़ती जा रही हैं।

मिशिगन में आयोजित अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के चुनावी कार्यक्रम में मीडिया दिग्गज ओपरा विन्फ्रे ने हिस्सा लिया है। इस कार्यक्रम में आव्रजन से लेकर अर्थव्यवस्था, प्रजनन अधिकारों और बंदूक हिंसा की रोकथाम जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा कि, इस चुनाव में अमेरिकियों के दिमाग में जो मुद्दे हैं, उनके बारे में सीधे बात करने के लिए टाउन हॉल में ओपरा का साथ होना बहुत अच्छा है।

कमला हैरिस बोलीं-हमें तय करना है अमेरिका को किस ओर ले जाना है?

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा कि, इस चुनाव में बहुत कुछ दांव पर है, अब हम लोगों के सामने सवाल यह है कि, इस मोड़ पर हम अपने देश को किस ओर ले जाना चाहते हैं? लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जब तक हम इसे बनाए रख सकते हैं, हममें से हर एक के पास इस सवाल का जवाब देने की शक्ति है। कमला हैरिस ने आगे कहा कि, हमारा अभियान इस बारे में है कि हम अमेरिकी के रूप में कौन हैं?

पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट सार्वजनिक मामलों में ले सकेगा स्वतःसंज्ञान,सरकार ने पारित किया अध्यादेश

इस्लामाबाद,20 सितम्बर 2024। पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट अब सार्वजनिक हित से जुड़े मामलों में स्वतः संज्ञान ले सकेगा। पाकिस्तान सरकार ने मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों को बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट (अभ्यास और प्रक्रिया) संशोधन अध्यादेश 2024 को पारित किया। शहबाज शरीफ कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए।

पहले सुप्रीम कोर्ट (अभ्यास और प्रक्रिया) अधिनियम 2023 के तहत सार्वजनिक हित से जुड़े मुद्दों पर कार्रवाई करने की मुख्य न्यायाधीश की शक्तियां कम कर दी गईं थी। इसके तहत मुख्य न्यायाधीश मामलों पर सुनवाई करने के लिए न्यायाधीशों का एक पैनल भी गठित करते थे। अब एक बार फिर संशोधन के जरिये अध्यादेश में मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों को बढ़ाया गया है। इसके तहत तीन सदस्यीय समिति में शीर्ष न्यायाधीश, एक वरिष्ठ न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित एक न्यायाधीश शामिल होंगे। यह समिति साधारण बहुमत से विवादास्पद मामलों का फैसला करेगी।

अध्यादेश के मुताबिक हर मामले की सुनवाई उसकी बारी के अनुसार की जाएगी, अन्यथा उसे बारी से बाहर करने का कारण बताया जाएगा। हर मामले और अपील को दर्ज किया जाएगा और इसकी प्रतिलिपि तैयार की जाएगी, जो जनता के लिए उपलब्ध होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नए अध्यादेश के मुताबिक मुख्य न्यायाधीश का पैनल में जजों का चयन करने के लिए समर्थन जुटाना होगा। नए अध्यादेश के तहत अगले महीने कार्यकाल पूरा होने ओर बढ़ रहे मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा प्रमुख मामलों में पीठों का गठन कर सकेंगे।

यह अध्यादेश जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) पार्टी को आरक्षित सीटों के आवंटन को लेकर शीर्ष अदालत और सरकार के बीच बढ़ते विवाद के बीच आया है। सुप्रीम कोर्ट ने 12 जुलाई को फैसला सुनाया था कि पीटीआई एक संसदीय दल है और आरक्षित सीटों के लिए पात्र है। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग को आरक्षित सीटें आवंटित करने के लिए एक स्पष्टीकरण जारी किया था, लेकिन नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने पाकिस्तान चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा कि चुनाव कानूनों में बदलाव के बाद पीटीआई आरक्षित सीटों के लिए पात्र नहीं है।

आरक्षित सीटों का मुद्दा आठ फरवरी के चुनावों के तुरंत बाद उठा था जब पीटीआई समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवार सुन्नी इत्तेहाद परिषद (एसआईसी) में शामिल हो गए, लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें आरक्षित सीटें आवंटित करने से इनकार कर दिया। पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) ने भी 14 मार्च को ईसीपी फैसले के खिलाफ अपील खारिज कर दी थी। अप्रैल में एसआईसी ने पीएचसी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने पेशावर हाईकोर्ट के फैसले के साथ-साथ एसआईसी को महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों से वंचित करने के फैसले को निलंबित कर दिया था.

सोनहत के पोड़ी में बाघ का हमला,2 भैस की मौत,1 घायल

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर से लगे क्षेत्रो में एक बार फिर बाघ की दहशत है। बाघ ने 2 भैसों को मार डाला उन्हें भोजन बना लिया वही एक को घायल कर दिया जिसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार कल सोनहत के पोड़ी क्षेत्र में बाघ ने तीन भैसों पर हमला कर दिया, 2 की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल है, एक भैंस का कुछ हिस्सा भी बाघ ने खाया है, हमले के स्थान पर बाघ में पंजो के निशान भी देखे गए है।

पशु मालिक मनोज और श्रवन के एक एक भैंस की मौत हुई है। दूसरी ओर बाघ की आवाजाही से ग्रामीण सतर्क हो गए है, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और रेगुलर फॉरेस्ट के कर्मचारी अब मामले की सुध लेने में जूट गए है। ग्रामीणों की माने तो बाघ ने घुनघुट्टा बांध के कुछ दूर स्थित घने जंगल मे भैसों का शिकार किया, ग्रामीण उस ओर जाने से डर रहे है। मामला कोरिया वन मंडल के देवगढ़ रेंज के बताया जा रहा है।

उदयपुर के डांडगांव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का धरना-प्रदर्शन आज

-संवाददाता-
उदयपुर,20 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। गोंडवाना गंणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयनाथ सिंह केराम ने बताया कि सरगुजा के विकास खण्ड उदयपुर अंतर्गत लगभग दर्जनों ग्राम पंचायतों के शासकीय विद्यालय एवं अन्य शासकीय उपक्रमों हेतु आबंटित भूमियों पर अवैध कब्जे की शिकायत विगत 05 वर्षो से लंबित है। कई मामलों में शिकायत के बाद कार्यवाही के नाम पर केवल आश्वासन दिया गया है और अन्य कई मामलों में राजस्व न्यायालय के बेदखली के आदेश के बावजूद अतिक्रमणकर्ता संबंधित शासकीय भूमि जबरन काबिज हैं,जिससे क्षेत्र में जनाक्रोश है। तथा आगे बताया कि विकासखण्ड उदयपुर क्षेत्र में विगत 05 वर्षो में सैकड़ो एक्ड़ शासकीय जमीनों पर बाहरी लोगों के द्वारा अवैध कब्जा करने का मामला बढ़ा है, वहीं स्थानीय राजस्व प्रशासन के

अधिकारी कर्मचारी भू-माफियाओं एवं अतिक्रमणकर्ताओं से मिलिभगत करके शासकीय जमीनों पर अतिक्रमण को बढ़ावा दे रहे हैं।

वहीं उन्होंने आगे बताया कि विकासखण्ड उदयपुर में राजस्थान कोल विद्युत परियोजना हेतु संचालित कोल ब्लॉक परसा केते ईस्ट की जनसुनवाई के पूर्व आसपास के क्षेत्रों में परियोजना के सहक पनी आदानी के द्वारा शराब,मुर्गी, पैसा दारू तथा अन्य तरह से दबाव बनाकर विधि विरूद्ध तरीके से जनसुनवाई कराया गया है जिसमें स्थानीय शासन प्रशासन सहित जिला प्रशासन भी उक्त विधि विरूद्ध जनसुनवाई में बराबर का जिम्मेदार रहा है। कंपनी के द्वारा अन्य राज्यों के लोगों को परसा केते ईस्ट कोल ब्लॉक में रोजगार दिया जा रहा है, वहीं स्थानीय बेरोजगार युवाओं को दरकिनार किया गया है,तथा कहा कि उक्त परिस्थितियों को लेकर भी जनसमुदाय में लम्बे अरसे से जनाक्रोस बना हुआ है। उपरोक्त परिस्थितियों में गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी अपने संबद्ध संगठनों के साथ संयुक्त रूप से आज दिनांक 21 सितम्बर 2024 को सुश्री रितु पन्द्राम (प्रदेश महासचिव गोंगपा युवा मोर्चा छ0ग0) के नेतृत्व में डांडगांव में अनिश्तिकालीन धरना प्रदर्शन करने को बाध्य है,न्याय के आभाव में अम्बिकापुर-बिलासपुर मुख्य सड़क मार्ग अवरूद्ध करने एवं सामुहिक गिरफ्तारी देने को बाध्य होंगे।

निगम कर्मी सांकेतिक हड़ताल पर, मांग पूरी नहीं हुई तो करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगरीय निकाय के कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश भर में सांकेतिक हड़ताल प्रारंभ कर दी है, तीन दिवसीय हड़ताल का गुरुवार को दूसरा दिन था। निगम कर्मी मांगों के संबंध में किसी प्रकार का सकारात्मक पहल नहीं होने पर ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के मूड में हैं।

विदित हो अंबिकापुर नगर निगम सहित प्रदेश के ज्यादातर नगरीय निकायों का हाल आमदनी के मामले में बदहाल है, जिस कारण कर्मचारियों को समय पर वेतन का भुगतान नहीं हो पाता है। पूरे प्रदेश के नगरीय निकाय कर्मचारियों के संगठन द्वारा 18 से 20 सितंबर तक सांकेतिक हड़ताल का निर्णय पूर्व की बैठक में लिया गया था।

कर्मचारियों के संगठन ने नियमित वेतन के साथ ही बकाया एरियर्स भुगतान, प्लेसमेंट कर्मचारियों के नियमितिकरण, ठेका प्रथा समाप्त करने सहित अन्य मांगों को लेकर हड़ताल करने की चेतावनी दी थी। गुरूवार को संगठन के निर्देश पर किए जा रहे सांकेतिक हड़ताल का दूसरा दिन था, इस कारण निगम में चहल-पहल नहीं दिख रही थी। आवश्यक कार्यों में लगे कर्मचारी काम पर थे, जिससे निगम में काम चल ही रहा है।

वहीं मांगों के संबंध में शासन से चर्चा करने संगठन में शामिल स्थानीय कर्मचारियों का एक प्रतिनिधिमंडल रायपुर गया है। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने मजबूर होंगे।

ग्राम पंचायत विरामतल की सड़कों पर ग्राम पंचायत वासियों का बरसात में चलना होता है दुर्भर

» क्यों नहीं पड रहा है जनपद में बैठे पदस्थ अधिकारियों का इस सड़क पर अब तक नजर

- संवाददाता -
सूरजपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

हम बात कर रहे हैं जनपद पंचायत भैयाथान के ग्राम पंचायत विरमताल की उक्त पंचायत के वार्ड क्रमांक 8 छ्लबनिया पारा की उक्त सड़क पर बरसात में ग्रामीणों का चलना दुर्भर हो जाता है। जबकि पंचायत में सड़क बिजली पानी स्वास्थ्य वगैरह के लिए केंद्र और राज्य सरकार से वर्ष वार पर्याप्त राशि मूलभूत व15वां वित्त के माध्यम से पंचायत का विकास हो इसके लिए दी जाती है बावजूद इसके ग्राम पंचायत विरमतल के वार्ड क्रमांक 8 छीलबनिया पारा की सड़क बिगत 3 दशकों से अधिक बिक जाने के बावजूद अभावग्रस्त नजर आ रहा है जबकि पंचायती राज अधिनियम के 11वीं अनुसूची में पंचायत के विकास के लिए29 सूचियां की जो व्यवस्था दी गई है जिसके तहत सड़क पानी स्वास्थ्य बिजली वगैरा लागू किया गया है जो अब तक लागू है बौजूद इसके ग्राम पंचायत विरमताल के वार्ड क्रमांक 8 छिलबनियापारा के उक्त सड़क बारिश के समय अत्यंत जर्जर हालत यही ब्या कर रहा है द्य जबकि उक्त सड़क ग्राम पंचायत सूरजपुर जिला मुख्यालय से महज 15 16 किलोमीटर के दूरी पर है उक्त सड़क की दुर्दशा को देखते ही अंदाजा लगाया जा सकता है की बरसात में क्षेत्र के अन्य सुदूर

अंचलों की पंचायत का क्या हाल होगा जहां जनपद के अधिकारियों की नजर नहीं जाती है द्य दौरे के दौरान ग्राम पंचायत बीरमताल के कुछ ग्राम वासियों से पूछने पर उनके द्वारा बताया गया जब से पंचायत अस्तित्व में आया है इस वार्ड में स्थिति यह रोड का दुर्दशा हर बरसात में इसी तरह रहता है साथ ही ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि पूर्व में रहे सरपंच वर्तमान सरपंच ही बता सकते हैं की सड़क सीसी रोड में तब्दील क्यों नहीं हो रही है जबकि शासन से सीसी सड़क डामरीकरण के सड़क बनाने के लिए भी प्रावधान है ।

इस विषय को लेकर बीरमताल सरपंच के उपलब्ध मोबाइल नंबर पर संपर्क कर

वास्तविक जानकारी चाही गई तो सरपंच पति के द्वारा कॉल रिसीव कर कहा गया कि अभी सरपंच महोदया घर पर नहीं है। जब उनसे उक्त सड़क की जानकारी चाहिए गई तो उनके द्वारा बताया गया शासन से 15 वा वित्त का पैसा नहीं के बराबर आ रहा है इसके लिए मेरे द्वारा पूर्व विधायक व वर्तमान विधायक से सीसी रोड बनवाने के लिए निवेदन मांग भी किया है वर्तमान में वर्तमान में उक्त सड़क पर मुरुम का कार्य बी डी सी के द्वारा 15वां वित के मंद से कार्य करवाया गया है>

सरपंच पति की यदि माने तो क्या सूरजपुर जिले के बीरमताल पंचायत में स्थानीय स्वशासन के जगह प्रशासनिक निर्देशों पर कार्य हो रहा है?

अशफाक उल्लाह, शाहरूख खान और असफाक के पिता के विरुद्ध

धारा 318 आई बीएनएस 2023 का अपराध किया गया दर्ज

क्या असफाक की वजह से उनके अधिवक्ता राहुल तिवारी का झुक गया सिर?

क्या असफाक के अधिवक्ता भी एफआईआर के बाद होंगे शर्मिंदा...पकड़ लिया होगा अपना सर?

छुपकर असफाक उल्लाह घूम रहे थे,चढ़े लोगों के हत्थे...रात भर लोग घेर बैठे रहे...

अधिवक्ता की भी की जाएगी बार काउंसिल में शिकायत, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाने का किया था प्रयास

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 20 सितम्बर 2024 | 5

STOCK SAALUTION

क्या दो ठगों के चक्कर में इस तरह फंसे लोग की हो गए कंगाल?

Fraud

सूरजपुर जिले के असफाक व संजीत ठगों की श्रेणी में आ चुके यह दावा हमारा नहीं निवेशकों का है...

घटती घटना

कौन है असफाक उल्लाह जिनके ऊपर लोग विश्वास करके अपना करोड़ों रुपए दांव पर लगा रहे हैं?

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लोगों को ठगने वाले असफाक उल्लाह के विरुद्ध आखिर लंबे समय बाद किसी ने शिकायत करने की हिम्मत जुटाई और न्याय के लिए पहली गुहार लगाई, जहां असफ़ाक उल्लाह की शिकायत करने कोई भी सामने नहीं आ रहा था जबकि पीड़ितों की संख्या सैकड़ो में थी फिर भी कोई शिकायत करने की हिम्मत नहीं कर रहा था, इस बीच अंबिकापुर के एक व्यापारी ने हिम्मत दिखाई और उनके साथ 30 लाख की हुई ठगी की शिकायत सूरजपुर में दर्ज कराई जिस पर बीएनएस के तहत सूरजपुर पुलिस ने जीरो में मामला दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार अंबिकापुर निवासी एक युवक ने सूरजपुर जिला के बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सोनपुर निवासी अशफाक उल्लाह के द्वारा 30 लाख रुपये लेकर धोखाधड़ी करने की लिखित शिकायत पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय सरगुजा में की है। प्रस्तुत आवेदन में ठगी का लंबा-चौड़ा ब्यौरा दिया गया है। यहां से आवेदन को अग्रिम कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को अग्रेषित किया गया था, जिस पर नगर पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर शून्य में अशफाक उल्लाह, शाहरूख खान, असफाक उल्लाह के पिता के विरुद्ध धारा 318 आई बीएनएस 2023 का अपराध पंजीबद्ध किया है।

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 16 सितम्बर 2024 | 6

शिवप्रसादनगर का असफाक और सूरजपुर का संजीत

निवेशकों का करोड़ रुपए लेकर फरार

पुलिस को शिकायत का इंतजार

अपनी मेहनत का लाखों करोड़ों गंवाकर भी शिकायत से घबरा रहे निवेशक जिसका लाभ असफाक व संजीत को

पैसा लेकर फरार होने वाला मस्त और जिनका पैसा गया वह त्रस्त वहीं पुलिस शिकायत के बिना मजबूर

असफाक के निवेशकों ने मानपुर चौक पर स्थित होटल में की बैठक तो वहीं संजीत के निवेशकों ने शिव पार्क में रखी बैठक

हालात गरीब हो तो भी चलेगा, लेकिन सोच भिखारी नहीं होनी चाहिए

संजीत ने शेयर मार्केट के बहाने लोगों को ठगा

क्या संजीत व असफाक दोनों के तार एक दूसरे से जुड़े हुए हैं?

दोनों व्यक्तियों ने खूब ठगा लोगों को

आखिर लोगों का पैसा लेकर असफाक व संजीत कहां निवेश करते थे इसका पता क्या कभी चल पाएगा?

FRAUD

पहले विश्वास बढाया फिर डबल के झांसे में फंसाया

पहले पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज को प्रेषित किए गए शिकायत पत्र में अंकुर गर्ग पिता विजय कुमार गर्ग 31 वर्ष,निवासी ग्रीनपार्क अंबिकापुर ने उल्लेख किया है कि वह अंबिकापुर में लक्ष्मी ट्रेडिंग कंपनी में हार्डवेयर से संबंधित व्यवसाय करता है। अक्टूबर 2023 में ग्राम शिवप्रसादनगर बसदेई जिला सूरजपुर निवासी शाहरुख नाम का व्यक्ति उनकी दुकान में आकर बताया कि वह ग्राम शिवप्रसादनगर में हार्डवेयर केजीएन सेनेटरी के नाम से दुकान खोला है, उसके लिए हार्डवेयर के थोक माल की आवश्यकता है। शाहरुख ने सामान उधार में लेने और समय-समय पर उसका पेमेंट कर देने की बात कही, जिस पर उन्होंने बताया कि ये व्यापार नगद करते हैं, यदि उधार देते हैं तो परिचित व्यक्ति को कुछ समय के लिए ही देते हैं। इसके बाद शाहरुख ने दुकान से पहला थोक माल नगद में लिया। इसके बाद वह हर माह उनकी दुकान से माल लेने लगा, जिस कारण वे कुछ माल उधार में भी देना शुरू कर दिए। उधार में दिए गए सामान का पैसा शाहरुख उन्हें हर माह समय पर देता था, जिससे उस पर विश्वास बढ़ गया। लगातार व्यापार करने के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि शिवप्रसादनगर निवासी कोई व्यक्ति लोगों से पैसा लेकर अच्छा लाभांस देता है। वर्ष 2024 के जून-जुलाई माह में शाहरूख उनकी दुकान में माल लेने आया और बताया कि उसका साला असफाक उल्लाह लोगों से पैसा लेकर कम समय में रकम डबल करके देता है। उन्होंने कहा मेरी इसमें दिलचस्पी नहीं है। वह बोला ऐसा मौका दुबारा नहीं मिलेगा, तो वह उसकी बातों में आ गया। इसके बाद शाहरुख 02 जुलाई 2024 को असफाक उल्लाह का मोबाइल नंबर व्हाट्सअप के माध्यम से भेजा। जब उन्होंने असफाक को फोन किया तो यह कहा कि मैं अभी कटघोरा में हूं, वापसी में आपसे मिलते हुए जाऊंगा। इसी दिन शाम को लगभग 06-07 बजे असफाक उल्लाह उनकी एजेंसी में फार्चुनर गाड़ी से आया। वह देखने में काफी मोटा था, काला चश्मा लगाया था और अपने पास तीन-चार मोबाइल फोन रखा था। उसका हावभाव देखकर वे प्रभावित हो गए, बातचीत के दौरान असफाक उल्लाह ने बताया कि वह कई लोगों का करोड़ों रुपये अपने व्यापार मे लगाया है। वे उन्हें फायदा दिलाते है, इस कारण लोग उनसे जुड़े रहते हैं। बातों ही बातों में जब उन्होंने अशफाक उल्लाह से व्यापार के बारे में पूछा तो वह बताने से आनाकानी करने लगा, बाद में बोला कि अडानी में मेरा काम चलता है, वहीं पर वह पैसा लगाता है। इसके बाद वह हार्डवेयर व्यवसायी को कई ऐसे लोगों का नाम बताया, जिन्हें वे जानते थे। असफाक अपने व्यापार में रकम लगाने के लिए नगद या ऑनलाइन खाता में देने के साथ कहा जिस माध्यम से उन्हें रकम मिलेगा, उसी माध्यम से वह लाभांस सहित मूल वापस कर देगा। असफाक के जाने के बाद बाद वे उसके जीजा शाहरूख से फोन पर बात करके पूरी तसल्ली किए और दो बैंक खाता में 15-15 लाख रुपये दिनांक 07 जुलाई 2024 को ऑनलाइन आरटीजीएस कर ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद असफाक उल्लाह 01 माह में पैसा लाभांस सहित वापस करने कहा। एक माह बीतने के बाद बाद 03 माह का समय मांगा और कहा कि आप 20 लाख रुपये और लगा दो, ज्यादा लाभ मिलेगा। अगर आप 50 लाख लगा देते हैं तो एक माह में पैसा वापस कर दूंगा। उन्होंने भेजे गए 30 लाख रुपये में मिलने वाले लाभ को देखने के बाद और पैसा लगाने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने की बात कही। इसके उपरांत असफाक उल्लाह उनसे मोबाइल में बात करते रहा,लेकिन मूल और लाभ की राशि नहीं दिया। दी गई तारीख बीतने के बाद भी वह टालमटोल करते रहा। इसके अलावा असफाक का जीजा शाहरुख भी दुकान से उधार में लिए माल का पेमेंट करीबन 02 लाख रुपये नहीं दिया। सूरजपुर पुलिस ने मामले को अग्रिम कार्यवाही के लिए कोतवाली थाना अंबिकापुर की पुलिस को स्थानांतरित किया है।

असफाक ने अपने अधिवक्ता का भी झुकाया सर

असफाक उल्लाह की जब इस आशय की खबर दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित की थी की असफाक लोगों का पैसा दुगुना करने के नाम पर ठगी कर रहा है चिटफंड का व्यापार कर रहा है लोगों का पैसा डूब सकता है, तब असफाक के अधिवक्ता ने दैनिक घटती-घटना के पत्रकार को वैधानिक नोटिस भेजा था और मानहानि तक की चेतावनी दी थी। तब पत्रकार ने बकायदा नोटिस का जवाब दिया था लेकिन अब दैनिक घटती-घटना की खबर सही साबित हुई और यह स्पष्ट हो गया की असफाक ठगी का ही काम करता था और अब शिकायत भी हो गई है। अब क्या इस तरह अब असफाक के अधिवक्ता जिन्होंने सत्य खबर पर पत्रकार को वैधानिक नोटिस भेजा था वह यह मानेंगे की वह गलत थे वह क्या सर झुकाएंगे या उनका सिर झुकेगा?

अधिवक्ता की भी होगी बार काउंसिल में शिकायत

अब असफाक के जिस अधिवक्ता ने दैनिक घटती-घटना की खबर जो असफाक की ठगी की खबर थी उनकी बार काउंसिल में पत्रकार शिकायत करेगा। पत्रकार ने जो खबर दैनिक घटती-घटना में प्रकाशित की वह सत्य साबित हुई असफाक ठग साबित हुआ शिकायत भी हो गई अब अधिवक्ता जिन्होंने खबर को भ्रामक बताकर समाचार-पत्र के पत्रकार संपादक को वैधानिक नोटिस भेजी थी उसकी शिकायत बार काउंसिल में दैनिक घटती-घटना समाचार पत्र समूह करेगा।

असफाक के बाद अब संजीत की बारी

असफाक उल्लाह की शिकायत अब पुलिस तक पहुंच गई और असफाक को यह बताकर शिकायत की गई है की उसने पैसा दुगुना करने के नाम पर ही लोगों से पैसा लिया है और चिटफंड का ही उसका व्यवसाय था वहीं अब संजीत की शिकायत होनी बाकी है जिसका भी यही काम था और काफी बड़ी संख्या में लोग संजीत से भी ठगी के शिकार हुए हैं। अब संजीत,असफाक दोनों को लेकर कानूनी क्या कार्यवाही होती है यह देखने वाली बात होगी क्योंकि उन्हें जेल भी हुई तब भी पैसा सभी का मिलना नामुमकिन है वहीं उनके बाहर रहने पर भी वह करोड़ों रुपए कहां से लौटाएंगे यह भी एक बड़ा प्रश्न है क्योंकि पैसा तो उन्होंने ऐशो आराम में खर्च कर दिया है।

ठगी के शिकार लोगों की लगातार हो रही बैठक

असफाक उल्लाह सहित संजीत से जिन्होंने भी धोखा खाया है जिनके साथ भी दोनों ने ठगी की है वह अब परेशान हैं वह यह तो सब समझ सके हैं की उनका पैसा डूब चुका है लेकिन फिर भी वह खुद को पूरी तरह यह आश्वस्त नहीं करना चाहते और उम्मीद लगाए बैठे हैं की उन्हे पैसा वापस कम से कम मूल वापस मिलेगा। अब लगातार ठगी के शिकार लोग बैठक कर रहे हैं और नई नई तरकीब सोच रहे हैं पैसा वापस निकलवाने का। वैसे सभी जान कर अनजान बन रहे हैं क्योंकि उन्हें कहीं न कहीं यह लगता है की कोई चमत्कार होगा और उनका पैसा वापस होगा वहीं उन्हे असफाक संजीत के आश्वासन पर भी न चाहकर विश्वास करना पड़ रहा है क्योंकि अब उनके पास दूसरा कोई चारा भी नहीं है।

क्या ठगी में असफाक व उनके पिता दोनों थे शामिल

असफाक की जब दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र में खबर प्रकाशित हो रही थी तब असफाक के पिता ने एक वीडियो संदेश जारी कर दैनिक घटती घटना समाचार पत्र समूह पर पत्रकार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। अब जब असफाक की ठगी की शिकायत हो चुकी है सवाल यह उठता है की क्या असफाक के पिता भी ठगी में बराबर के हिस्सेदार थे शामिल थे। वैसे असफाक के पिता का नया अब कोई बयान नहीं आ रहा है वह खुद फरार बताया जा रहा है या लोगों से बचता नजर आ रहा है। असफाक के पिता के भी संपर्क के लोगों ने क्या पैसा दुगुना होने के लालच में निवेश किया था यह भी जांच का विषय है?

अंततः एक बार और घटती-घटना अखबार का समाचार हुआ सत्य साबित

असफाक उल्लाह सहित संजीत ठगी का कारोबार करते हैं चिटफंड का कारोबार करते हैं लोगों का पैसा दुगुना करने के नाम पर वह लोगों की जीवन भर की कमाई लूट कर अपना शौक पूरा कर रहे हैं पैसा दुगुना होगा नहीं डूब जायेगा यह आशंका दैनिक घटती-घटना ने कई बार समाचार के माध्यम से जाहिर की थी वहीं समाचार-पत्र को तब झूठा साबित करने असफाक और उसके पिता ने काफी प्रयास किया था और पुलिस में भी शिकायत की थी पत्रकार की पेशी भी पुलिस के समाने हुई थी वहीं लोगों का पैसा डूब सकता है करोड़ों का ठगी हो रहा है इस बात को प्रशासन और पुलिस के संज्ञान में लाना ही दैनिक घटती घटना का मुख्य उद्देश्य था जिससे किसी ने भी गंभीरता से नहीं लिया और सभी का पैसा डूब गया। दैनिक घटती-घटना की खबर एक बार पुनः सही साबित हुई यह अब कहना गलत नहीं होगा।

कुछ करोड़ बांटा गया अब कुछ और करोड़ की व्यवस्था कर असफाक ने बांटने का किया वादा

सूत्रों की माने तो असफाक ने हाल ही में 5 करोड़ के लगभग रुपए कहीं से व्यवस्था कर कुछ लोगों को लौटाया है वहीं अब वह पुनः 10 करोड़ लाने वाला है यह उसने वादा किया है। अब यह बात कितनी सच है इसकी पुष्टि दैनिक घटती-घटना नहीं करता लेकिन यह तय है की असफाक अब लोगों का पैसा पूरी तरह लौटा पाने में असमर्थ है।

असफाक काला चश्मा लगाकर माफिया की तरह निवेशकों के सामने बैठा रहा

निवेशक उसके सामने गिड़गिड़ाते रहे तस्वीर हुई वायरल...

लंबे इंतजार के बाद असफाक निवेशकों के हत्थे चढ़ा...3 बजे भोर तक निवेशक उसे घेर कर खड़े रहे...

दैनिक घटती-घटना के समाचार को लोग मानते सत्य तो बच जाता बहुतों का पैसा

दैनिक घटती-घटना लगातार यह साबित करने का प्रयास करती रही और लोगों को जागरूक करती रही की असफाक केवल लोगों को ठगने का काम कर रहा है उसके झांसे में आना बेकार है सभी का पैसा डूब जायेगा लेकिन किसी ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और निवेश करते रहे। अब जब लोगों का पैसा डूब गया लोग परेशान हैं वैसे यह कहना गलत नहीं होगा की यदि लोग दैनिक घटती-घटना की खबर से संज्ञान लेते जरूर उनका पैसा बच जाता उनकी जीवन भर की कमाई बच जाती डूबने से।

मध्य प्रदेश से पिता व पुत्र आए एक साथ नागपुर में दोनों अलग-अलग गाड़ियां में हुए सवार पिता को कोरिया के पटना में रोका गया तो पुत्र को सूरजपुर जिले के करौंदामुड़ा में

पटना में असफाक को भी रोकने के लिए घेराबंदी की गई पर असफाक की गाड़ी रुकी नहीं

-रवि सिंह-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

इस समय असफाक उल्लाह के मामले में सब कुछ फिल्मी अंदाज में हो रहा है जहां ठगने वाले को निवेशकों के सामने गिड़गिड़ाना चाहिए वहां ठगने वाला ही निवेशकों के सामने काला चश्मा लगाकर कुर्सी में डॉन की तरह बैठा रहा और निवेशक उसे घेर कर खड़े रहे ऐसा लग रहा था कि ठगने वाले को निवेशकों की कोई परवाह नहीं और ना ही उनके पैसे डूबने की उसे कोई चिंता है वायरल हुई तस्वीर कुछ ऐसा ही बयां कर रही थी, वायरल हुई तस्वीर यह दावा कर रही है कि अशफ़ाक उल्लाह को सोनपुर से पहले सूरजपुर जिले के करौंदामुड़ा के एक पोल्ट्री फार्म में बैठाया गया था जहां पर निवेशक उसे घेर कर बैठे हुए थे।

सूरजपुर जिले में इस समय भागम भाग पिक्चर जैसी स्थिति निर्मित हो गई है, लोगों को ठगने वाला पहले निवेशकों के पीछे भाग रहा था अब जब सभी को चुना करोड़ों का लगा चुका है तो अब निवेशक ठगने वाले के पीछे भाग रहे हैं भागम भाग चालू है पकड़म पकड़ाई चालू है निवेशक अब अपने पैसे पाने के लिए ठगने वाले असफ़ाक उल्लाह के पीछे भाग रहे हैं और असफाक उल्लाह उनसे बचकर भाग रहा है, इसी भागम भाग में एक विशेष सूत्रों से जानकारी मिली है की अशफाक व उसके पिता एक गाड़ी में मध्य प्रदेश से आ रहे थे नागपुर के पास दोनों अलग-अलग गाड़ी में सवार हो गए और अलग-अलग निकल गए असफाक उल्लाह की गाड़ी कोरिया जिले में दिखी और लोगों के द्वारा पहचान होने पर असफ़ाक उल्लाह को पकड़ने का भी प्रयास किया गया पर असफ़ाक उल्लाह वहां से निकल गया लोगों के हाथ नहीं लगा, वही गुरुवार की रात यह जानकारी आई कि अशफ़ाक उल्लाह को करौंदामुड़ा के पास एक पोल्ट्री फार्म में बैठाकर रखा गया है जहां पर निवेशक उसे घेरकर खड़े रहे असफाक उल्लाह काला चश्मा लगाकर कुर्सी पर ठगने के बावजूद एक डान की तरह बैठा रहा और निवेशक उसके सामने विनती कर रहे थे कि आखिर मेरा पैसा कब लौटाओगे और अशफाक उल्लाह किसी को भी पैसे लौटाने की बात के लिए आश्वस्त नहीं कर पा रहा था, ऐसा लग रहा था कि लोगों का पैसा डूबा है तो डूब जाए, उसे इस सब से कोई फर्क नहीं पड़ता, लोग उससे पैसे लौटाने का समय मांग रहे थे पर वह समय देने की भी स्थिति में नहीं दिख रहा था, ऐसा लग रहा था कि निवेशक अशफाक के सामने नतमस्तक हो चुके हैं और वह असफाक का कुछ नहीं कर सकते वायरल हुई तस्वीर भी कुछ ऐसा ही बयां कर रही थी, वहीं दूसरी जानकारी यह भी आई की असफाक के पिता को पटना में ही मस्जिद के पास किसी घर में ठहराया गया है और वहीं से जो पैसा असफाक पास लाया था, असफाक के पिता को पटना में रोक लिया गया है और जिसके यहां रह रहे हैं वह भी उनके निवेशक है वह भी यही कह रहे हैं कि उनका पैसा कैसे मिलेगा। असफाक उल्लाह के मामले में अब यह तो तय हो गया की पैसा किसी का नहीं मिलने वाला, वह जो कुछ बचा है अब लौटाएगा यह लगता नहीं वहीं अधिकाशं पैसा वह ऐशो आराम और तीर्थ यात्रा में खर्च कर चुका विदेश जाकर।

प्रशासन और पुलिस भी देती खबरों पर ध्यान लोगों को नहीं होता नुकसान

दैनिक घटती-घटना असफाक उल्लाह के चिटफंड व्यापार को लेकर लगातार मुखरता से समाचार प्रकाशित करता रहा और सभी को सचेत करता रहा जिसमे प्रशासन और पुलिस को भी सचेत करने का प्रयास था लेकिन कोई सचेत नहीं हुआ और कई सौ करोड़ का अनुमानित ठगी असफाक कर गया। वहीं असफाक की एक शिकायत पर पुलिस ने पत्रकार को नोटिस भेजा और जबाव तलब किया और असफाक का कहीं न कहीं मनोबल बढ़ाया।

संरक्षण के नाम पर भी असफाक से हो रहा लेनदेन का खेल:सूत्र

सूत्रों की माने तो अब असफाक को और उसके परिवार को संरक्षण देने के नाम पर भी लेनदेन हो रहा है। सुरक्षा प्रदान करने के नाम पर यह सौदा भी होने की खबर है की उनका पैसा और कुछ और सुरक्षा के नाम पर वह दें और निश्चिंत हो जाएं शेष किसी का पैसा देने की जरूरत नही न ही कोई लेने की हिम्मत कर पाएगा उनके रहते। कुल मिलाकर सब कुछ फिल्मी अंदाज में हो रहा है और एक तरह से माफिया राज की सुगबुगाहट ही इसे कहा जा सकता है।

तत्कालीन एसडीएम और वर्तमान अपर कलेक्टर ने क्या अपनी खुद की जमीन समझकर नहर की जमीन का किया डायवर्सन?

कलेक्टर से हुई शिकायत

शिकायतकर्ता ने लगाया बड़ा आरोप

शिकायतकर्ता का दावा 5 लाख में हुआ था सौदा

सरकार कैसे आपके राजस्व अधिकारियों पर करें भरोसा की वह ईमानदारी से करेंगे काम?

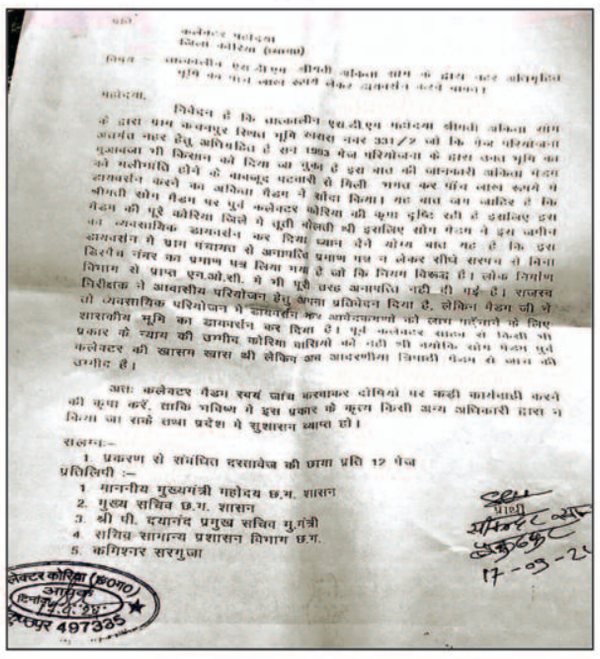

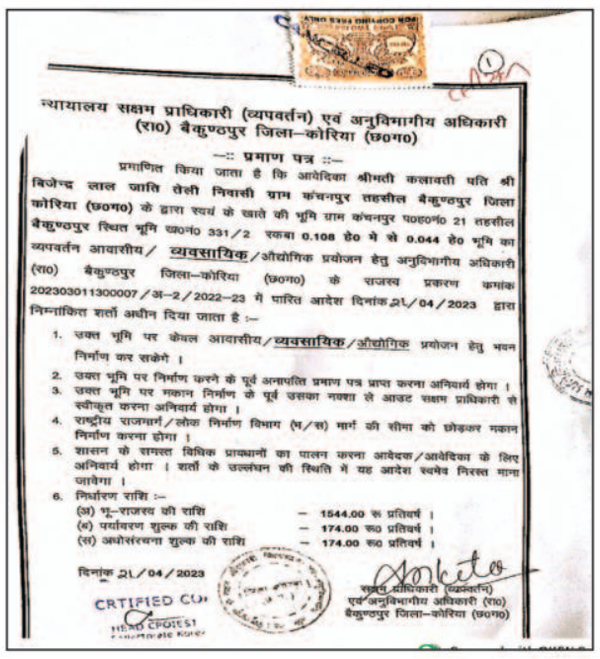

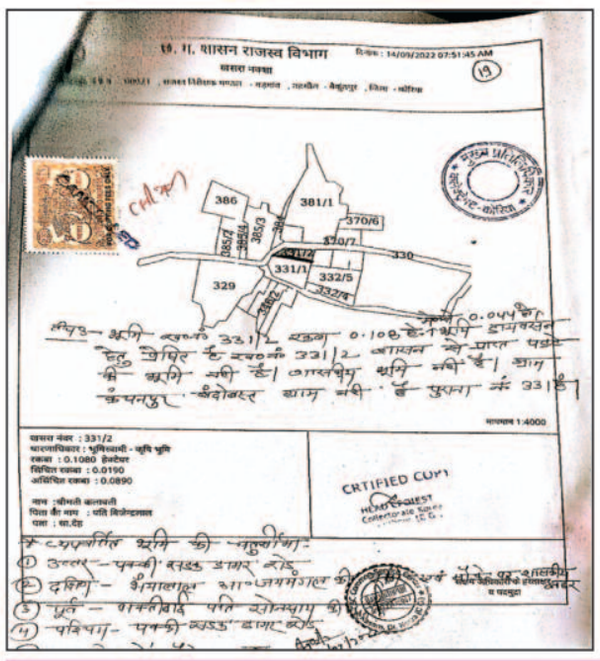

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०) बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ०ग०)

-: प्रमाण पत्र :-

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजस्व मामले को लेकर सरकार का गंभीर ना होना राजस्व अधिकारियों को मनमानी की छूट देता है, ऐसा कोई एक बार नहीं कई बार हो चुका है, राजस्व अधिकारी अपने आप को न्यायालय में बैठकर किसी उच्च न्यायालय व जिला न्यायालय के जज से कम नहीं समझते जो मनमानी बनती है वह करते जाते हैं स्थिति तो यह है कि अच्छे-अच्छे अधिवक्ता भी इनके सामने नतमस्तक हो जाते हैं क्योंकि इनसे वह बहस नहीं कर पाएंगे इनके सामने वह कितना भी तथ्य प्रस्तुत कर दें यह करेंगे अपने मन का ही,यही वजह है कि कई बार राजस्व न्यायालय में अधिवक्ताओं की भी झड़प हो चुकी है ऐसे कई उदाहरण पहले भी देखे जा चुके हैं फिर भी राजस्व न्यायालय की स्थिति सुधारने का नाम नहीं ले रही है, राजस्व के अधिकारी ईमानदारी से काम करना नहीं चाह रहे, ईमानदारी से लगता है कि वह काम करने के लिए कुर्सी पर बैठे ही नहीं हैं? यही वजह है कि राजस्व न्यायालय की स्थिति प्रकरण के मामले में गंभीर है और आरोपों के अंबार हैं कई बार तो राजस्व अधिकारियों के ऊपर विभागीय जांच भी बैठी पर जांच भी वह अपने प्रभाव से प्रभावित करने में सफल रहे इसके पूर्व की कांग्रेस सरकार में भी बैकुंठपुर की एक तहसीलदार ने काफी हंगामा मचाया था, एक बार फिर एक और शिकायत सामने आई है जिसमें आरोप तत्कालीन एसडीएम पर लगाया गया है जिस तत्कालीन एसडीएम पर आरोप लगाया गया है उनकी कार्य प्रणाली भी पूर्व सरकार से ही ठीक नहीं रही और वर्तमान में भी ठीक नहीं है, यहां तक की नहर के मुआवजा घोटाला में भी नाम सामने आ रहा था पर उसके बाद उन्हें हटा दिया गया था। अभी जो तत्कालीन एसडीएम और वर्तमान अपर कलेक्टर पद पर आसीन हैं उनके ऊपर आरोप लगा है की 5 लाख रूपए लेकर उन्होंने नहर की जमीन का ही डायवर्सन कर दिया है, ये आरोप कोरिया अपर कलेक्टर अंकिता सोम पर लगा है और इसकी शिकायत सीकंदर खान नाम के एक शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से की है, वहीं कलेक्टर ने भी शिकायत और इस मामले में जांच के बाद रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही करने की बात कही है।

यह है पुरा मामला

बता दें कि ये पूरा मामला कोरिया के कंचनपुर के स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 331/2 है, वहीं शिकायतकर्ता का दावा है कि इसका गेज परियोजना मुआवजा किसान ने 1993 में ले लिया है, जिसके बाद ये जमीन शासकीय हुई,शिकायतकर्ता ने कोरिया कलेक्टर से इस पूरे मामले में जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है, सूत्रों ने दावा किया है कि जिस जगह का डायवर्सन किया गया है वहां अब निर्माण शुरू हो गया है, लेकिन उसे अवैध बताकर उसके पिल्लर को तोड़ा गया और उसे नोटिस भी जारी की गई, जो शिकायत पत्र है वो 17 सितंबर 2024 को हुई शिकायत का है, जबकि अपर कलेक्टर के मुताबिक इस मामले की शिकायत चंद महीनों पहले भी हो चुकी है और इस मामले में जांच कमेटी भी गठित हुई थी, लेकिन सवाल ये है कि यदि जांच कमेटी गठित हुई तो अब तक इस मामले में क्या कार्रवाई हुई और उक्त टीम ने इस मामले में वर्तमान अपर कलेक्टर अंकिता सोम से उनका पक्ष क्यों नहीं लिया? इस मामले में जल संसाधन विभाग ने भी मीडिया से बातचीत में नहर की जमीन में अधिग्रहण करने की पुष्टी की है और विभाग ने कब्जा करने वाले लोगों को नोटिस भी जारी की है और इस मामले की पूरी जानकारी कलेक्टर को देने की बात कही है।

17 को शिकायत 18 को मिली अतिरिक्त जिम्मेदारी

कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी/अपर कलेक्टर/डिप्टी कलेक्टर के मध्य पूर्व में जारी कार्य विभाजन आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए,अंकिता सोम,अपर कलेक्टर कोरिया को उन्हें पूर्व में आवंटित कार्यों के अतिरिक्त नोडल अधिकारी,नगरीय प्रशासन विभाग (नगर पालिका बैकुण्ठपुर/शिवपुर चरचा/नगर पंचायत पटना),मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना/प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा पूर्व आदेश द्वारा जिला रोजगार अधिकारी को लाइवलीहुड कालेज में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के नोडल अधिकारी नामांकित किया गया है। इसके अलावा हितग्राहियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के साथ समन्वय करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु प्रभारी अधिकारी नामांकित किया गया था, में आंशिक संशोधन करते हुए जिला रोजगार अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नामांकित किया गया है। सहायक नोडल अधिकारी,अपर कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में अब कार्यों का सम्पादन करेंगे।

शासकीय भूमि के डायवर्सन करने से इंकार

इस मामले में अपर कलेक्टर अंकिता सोम एक रिपोर्टर को बताया की मामले में पहले भी किसी ने शिकायत की थी,जिसके बाद जांच कमेटी गठित हुई थी,लेकिन अब तक इस मामले में कलेक्टर द्वारा गठित टीम ने उनका पक्ष नहीं लिया है और उन्होंने किसी भी शासकीय भूमि के डायवर्सन करने से इंकार किया है उन्होंने 5 लाख रूपए लेने जैसे आरोपों को भी नकारा है।

तत्कालीन कलेक्टर के कार्यकाल में की थी काफी मनमानी

पूर्व एसडीएम बैकुंठपुर और वर्तमान में अपर कलेक्टर कोरिया अंकिता सोम का नाम पूर्व की कांग्रेस सरकार और पूर्व के कलेक्टर के कार्यकाल में काफी सुर्खियों में था। अपनी मनमानी के लिए वह तब काफी प्रसिद्ध थीं वहीं नई सरकार ने इन्हे एसडीएम के पद से तो हटा दिया लेकिन अभी यह जिले में ही पदस्थ हैं और अपर कलेक्टर का जिम्मा सम्हाल रही हैं। वैसे यह महिला बाल विकास मंत्री के यहां भी संलग्न होने का प्रयास कर चुकी हैं जहां यह असफल रहीं वहीं अब यह जिले में ही कार्यरत हैं।

कार्यप्रणाली अच्छी नहीं और बनना चाहती हैं कमिश्नर व जिला पंचायत सीईओ

विभागीय जानकारों की माने तो फिलहाल अपर कलेक्टर का प्रभार देख रही अंकिता सोम का कार्यकाल कैसा रहा है एक एसडीएम बतौर यह बात किसी को बताने की जरूरत नहीं लेकिन जबसे इन्हे एसडीएम बैकुंठपुर के पद से हटाया गया है तभी से यह कमिश्नर या जिला पंचायत सीईओ बनने का ख्वाब देख रही हैं। वैसे बता दें वर्तमान कलेक्टर के कार्यकाल में इनकी मंशा शायद ही पूरी हो क्योंकि वर्तमान कलेक्टर प्रशासनिक कसावट को लेकर सक्रिय नजर आ रही हैं और वह भ्रष्टाचार को लेकर भी मुख्यमंत्री के निर्देश का पालन करती नजर आ रही हैं। सूत्रों का दावा है की सरगुजा कमिश्नर या जिला पंचायत सीईओ बना चा रही है जिसके लिए वह प्रयासरत है।

क्या चौहद्दी देने वाले ने भी जानकारी छुपाई?

जमीन नहर की है क्या इस आशय की जानकारी चौहद्दी देने वाले ने भी छिपाई यह भी एक सवाल है। शिकायतकर्ता यदि शिकायत प्रस्तुत किया है तो कोई न कोई तथ्य उसके पास है जरूर वैसे चौहद्दी में इस बात का उल्लेख क्यों नहीं है यदि जमीन नहर की है यह बड़ा सवाल है।

क्या शिकायत के आधार पर होगी निष्पक्ष जांच या फिर होगा बचाने का प्रयास?

नहर की जमीन का डायवर्सन हुआ और लाखों का लेनदेन हुआ यह शिकायत कलेक्टर से हुई है। अब देखना है की क्या इस मामले में जांच निष्पक्ष होती है या राजस्व अधिकारी अपने विभाग की छवि बचाने शिकायत को दबा ले जाते हैं। कुल मिलाकर अब मामला कलेक्टर के ऊपर निर्भर है और जिस हिसाब से जिले की कलेक्टर का कामकाज है लगता है की जांच भी होगी और निष्पक्ष जांच होगी।

कमिश्नर व जिला पंचायत सीईओ बनने के लिए पैरवी जारी

सरगुजा कमिश्नर और जिला पंचायत सीईओ बनने के लिए इनकी जोर आजमाइश जारी है और पैरवी भी अंदरूनी जारी है यह सूत्रों का दावा है। अब इन बातों में कितनी सच्चाई है यह तो वही जाने लेकिन चर्चा का बाजार गर्म है।

क्या जल संसाधन विभाग से भी मांगी जाएगी जानकारी

यदि नहर की जमीन है तो क्या जल संसाधन विभाग से भी इसकी जानकारी मांगी जाएगी? यदि नहर की जमीन का डायवर्सन हुआ है तो जल संसाधन विभाग ही सही जानकारी दे सकता है ऐसे में जल संसाधन विभाग से भी जानकारी लेनी चाहिए ताकि सत्यता का पता चल सके।

क्या शिकायत की सही जांच कर प्रशासन करेगा पूरे मामले का खुलासा?

शिकायत की जांच इसलिए भी जरूरी है ताकि जिस अधिकारी पर आरोप लगे हैं यदि वह सही है तो फिर प्रशासन को भी इसकी जांच करके अपने अधिकारी की जानकारी साझा करना चाहिए और बताना चाहिए की जांच निष्पक्ष तरीके से हुई है और अधिकारी की कोई भी गलती नहीं है और यदि गलती पाई जाती है तो कार्रवाई भी तत्काल करनी चाहिए।

शिकायतकर्ता को भले ही खोज ना पाए पर शिकायत सही हो सकती है यदि जांच हो तो

शिकायतकर्ता का आवेदन में जिस प्रकार से नाम व पता पूरा नहीं है उसे देखकर ऐसा लगता है कि भले ही शिकायत करता अपना नाम छुपाना चाह रहा हो पर शिकायत के साथ जो दस्तावेज लगे हैं वह कहीं ना कहीं सही माने जा रहे हैं यदि शिकायत की जांच सही तरीके से हो जाए वह दस्तावेजों को सही तरीके से देखा जाए तो सही गलत का पता चल सकता है।

पत्नी की हत्या करने वाले हत्यारे पति को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गुरूवार दिनांक 19/09/24 को ग्राम करौटी चौकी चेन्द्रा निवासी बुधनाथ कंवर ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी लड़की बबीता का शादी ग्राम सिलफिली निवासी सहजू पैंकरा के साथ हुआ था, 16 सितम्बर 2024 को सुबह दामाद सहजू का छोटा भाई फोन कर बताया कि बबीता के साथ सहजू मारपीट किया है जिस कारण बबीता के सिर में चोट लगा है जिसे उपचार के लिए प्रतापपुर अस्पताल ले गए है। सूचना पाकर यह अस्पताल पहुंचा तो वहां लड़की बेहोश पड़ी थी जिसे रेफर करने पर अम्बिकापुर गए जहां से दिनांक 18/09/24 को रायपुर एम्बुलेंश से ले जा रहे थे जो रास्ते में बिलासपुर में लड़की की मृत्यु हो गई। लड़की बबीता की मृत्यु दामाद सहजू के द्वारा मारपीट करने से हुई है। सूचना पर मर्ग कायम कायमी उपरान्त अपराध क्रमांक 254/24 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना मिलते ही डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रतापपुर पुलिस के द्वारा दबिश देकर आरोपी सहजू पैंकरा पिता सोबरन पैंकरा उम्र 40 वर्ष ग्राम सिलफिली, थाना प्रतापपुर को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि पत्नी के चरित्र शंका को लेकर लकड़ी के फारी से मारपीट कर घटना को अंजाम देना बताया। आरोपी के निशानदेही पर धटना में प्रयुक्त लकड़ी का फारी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई हीरालाल साहू, प्रधान आरक्षक राहुल गुप्ता, विनोद परीडा, भूपेन्द्र पोर्ते, आरक्षक हरिशचंद दास व जयप्रकाश पन्ना सक्रिय रहे।

महाविद्यालय में सेमिनार का आयोजन किया गया

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आज दिनांक 19 सितंबर 2024 को शासकीय रेवती रमण मिश्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर में सेमिनार कम वेबीनार का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम एनवायरनमेंट प्रॉब्लम एंड सॉल्यूशन विषय पर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. अजय सिंह नगपुरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, प्रिंसटन विश्वविद्यालय, प्रिंसटन, न्यू जर्सी अमेरिका द्वारा एयर पॉल्यूशन इन इंडिया एंड नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम तथा डॉ. मनोज कुमार झारिया, सहायक प्राध्यापक, फॉर्म फॉरेस्ट्री, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर द्वारा एग्रोफोरेस्ट्री एवं एनवायरमेंटल क्वालिटी पर व्याख्यान दिया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रायपुर द्वारा प्रायोजित किया गया। डॉ अखिलेश त्रिपाठी साइंटिस्ट ए एवं स्टेट कोऑर्डिनेटर सीकास्ट रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया गया। प्राचार्य महोदय डॉ. एच. एन. दुबे के निर्देशन में उक्त कार्यक्रम संचालित किया गया। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर श्री टी.आर. राहंगडाले द्वारा कार्यक्रम की भूमिका एवं रूपरेखा का निर्धारण किया गया। महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं अतिथि शिक्षकों ने कार्यक्रम के सफल संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को पर्यावरण प्रदूषण एवं उसके निवारण के लिए अनेक जानकारी प्रदान की गई। वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया तथा समस्याओं के निदान हेतु आवश्यक सुझाव विषय विशेषज्ञों द्वारा दिये गये। व्याख्यान के अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण किया।

बालको फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'मल्हार' ने कर्मचारियों के रचनात्मकता को दी नई उंचाई

-संवाददाता-
कोरबा,20 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व फोटोग्राफी के अवसर पर 'मल्हार 2.0' फोटो प्रदर्शनी व हिंदी दिवस का संयुक्त आयोजन किया। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में वेदांता समूह के प्रतिभाशाली कर्मचारियों द्वारा खींची गई तस्वीरों का संग्रह प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में आये आगंतुकों ने मनमोहक फोटोग्राफी की सराहना की। बालको टाउनशिप में आयोजित दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला को मल्हार नाम दिया गया। वाह क्या व्यू है थीम के इर्द-गिर्द घूमती प्रदर्शनी में प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाने वाली मनमोहक चित्र प्रदर्शित की गई। सभी कलात्मक छायाचित्र बालको के साथ-साथ वेदांता समूह के विभिन्न यूनिट के कर्मचारियों द्वारा खींचे गए थे। कर्मचारी एवं उनके परिवारजन तथा स्कूल के छात्रों सहित आगंतुकों के लिए खुली यह प्रदर्शनी दर्शकों के लिए अविस्मरणीय आनंददायक अनुभव रहा।

दो दिवसीय मल्हार कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कंपनी ने स्थानीय छात्रों के लिए हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी में स्वरचित काव्य लेखन एवं काव्य पाठ आयोजित किया। कार्यक्रम में 10वीं, 11वीं और 12वीं के लगभग 80 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कर अपनी साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रों ने बहुत ही उत्साह एवं उमंग के साथ देशभक्ति, सामाजिक एवं मार्मिक कविता से श्रोताओं पर अमिट छाप छोड़ी। सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में काव्य पाठ करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सेल्फी कॉर्नर के साथ-साथ बच्चों के लिए किड्स कॉर्नर बनाया गया था जिसमें बच्चों के लिए स्केच बनाने तथा बनी हुई आकृति में रंग भरने की व्यवस्था थी। बालको कर्मचारियों को पीपीटी प्रेजेंटेशन का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि कैसे दर्शकों को ध्यान में रखते हुए फ़ॉन्ट चुनाव, उपयोगी बुलेट पॉइंट, रंगों का प्रयोग, प्रभावशाली चित्रों एवं चार्ट और ग्राफ़ का प्रयोग करना चाहिए।

मल्हार कार्यक्रम की सराहना करते हुए बालको के सीईओ एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी तकनीकी प्रगति को समृद्धि प्रदान करने तथा नवाचार करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे कार्यक्रम हमारे संगठन के भीतर कर्मचारियों के लिए प्रेरणा स्रोत तथा उनमें रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। बच्चों की कविता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सामंजस्यपूर्ण समाज की साहित्यिक नींव को आकार देने में आने वाली युवा पीढ़ी की भूमिका महत्वपूर्ण हैं।

आईपीएल 2025 से पहले हुआ बड़ा ऐलान

राजस्थान रॉयल्स ने विक्रम राठौर को बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स ने भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। इस कदम से राठौर, जो भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और चयनकर्ता हैं, फ्रेंचाइजी में राहुल द्रविड़ के साथ फिर से जुड़ गए हैं, इससे पहले जून में पुरुषों के टी20 विश्व कप में जीत के साथ राष्ट्रीय टीम में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था।

राठौर ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, रॉयल्स परिवार का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है। राहुल के साथ फिर से काम करने का अवसर, और अब युवा क्रिकेटरों के एक प्रतिभाशाली समूह के साथ, बेहद रोमांचक है। मैं टीम के विजन में योगदान देने और रॉयल्स और भारत के लिए शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों को विकसित करने के हमारे लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हूं, जो चैंपियनशिप जीतने में मदद कर सकते हैं।

राठौर खुद को बताया सौभाग्यशाली

विक्रम राठौर ने टीम से जुड़ने पर कहा कि रॉयल्स परिवार का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है। राहुल के साथ फिर से काम करने को लेकर वह रोमांचित हैं। वह टीम के विजन में योगदान देने और रॉयल्स और भारत के लिए शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ियों को विकसित करने के लक्ष्य की दिशा में काम करने को लेकर काफी उत्सुक हैं। राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर टीम इंडिया को टी 20 वर्ल्ड कप का खिताब जिताने वाले राठौर का लक्ष्य अब राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल का खिताब दिलाना होगा।

» राहुल द्रविड़ के जोड़ीदार की इस टीम में हुई एंट्री

नई दिल्ली,20 सितंबर 2024। आईपीएल 2025 से पहले सभी फ्रैंचाइजी अपनी टीम और कोचिंग स्टॉफ को मजबूत करने में लगी हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स ने बड़ा कदम उठाते हुए राहुल द्रविड़ को हाल ही में अपना हेड कोच नियुक्त किया था। अब राजस्थान के कोचिंग स्टॉफ में एक और बड़े नाम की एंट्री हुई है। ये बड़ा नाम और कोई नहीं बल्कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीम इंडिया में कोचिंग स्टॉफ का हिस्सा रह चुके विक्रम राठौर हैं। राजस्थान ने विक्रम राठौर को अपना बैटिंग कोच नियुक्त किया है। विक्रम राठौर भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने भारत के लिए 1996 में 6 टेस्ट और 7 वनडे मैचों में शिरकत की थी। राठौर साल 2016 में संदीप पाटिल के नेतृत्व वाली सिलेक्शन कमेटी के सदस्य भी रहे।

द्रविड़ ने की राठौर की तारीफ

विक्रम राठौर कुछ महीने पहले तक टीम इंडिया के कोचिंग स्टॉफ का हिस्सा थे। वह टीम इंडिया के बैटिंग कोच की भूमिका निभा रहे थे। इस साल जून में टीम इंडिया के टी 20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने के साथ ही उनका कार्यकाल तब के हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ समाप्त हो गया। अब वह आईपलएल में राजस्थान के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं। राठौर के राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने पर टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि कई वर्षों तक विक्रम के साथ मिलकर काम करने के बाद वह पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि उनकी तकनीकी विशेषज्ञता, शांत व्यवहार और भारतीय परिस्थितियों की गहरी समझ उन्हें रॉयल्स के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है।

द्रविड़ ने कहा कि उन दोनों ने मिलकर एक मजबूत तालमेल बनाया है वह उनके साथ फिर से जुड़कर रोमांचित हैं। युवा प्रतिभाओं को निखारने और खिलाड़ियों की क्षमता को बढ़ाने की उनकी क्षमता अमूल्य होगी और उनका लक्ष्य अपनी टीम को और मजबूत

करना और राजस्थान रॉयल्स में एक विश्व स्तरीय टीम बनाना होगा।

संक्षिप्त खेल की खबरें

सुमित नागल को मिलेंगे 45 लाख रुपये...

भारत के टॉप एथलीट पर शुरू हुआ विवाद

नई दिल्ली, 20 सितंबर 2024।भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने हाल ही में डेविस कप में खेलने के लिए ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन से 50,000 डॉलर यानी करीब 45 लाख रुपये की सालाना फीस मांगी है। इस मांग ने टेनिस जगत में हलचल मचा दी है। नागल ने कहा कि पेशेवर खेलों में एथलीटों को उनकी सेवाओं के लिए मुआवजा देना एक सामान्य प्रथा है, चाहे वे अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हों या नहीं। वहीं इस मुद्दे पर एआईटीए की कार्यकारी समिति में मतभेद था। कुछ सदस्यों का मानना था कि खिलाड़ियों को बिना किसी वित्तीय मांग के देश का प्रतिनिधित्व करना चाहिए, जबकि अन्य का मानना था कि प्रदर्शन आधारित बोनस एक उचित समाधान हो सकता है। आखिर में समिति ने डेविल कप कप्तान को नागल से बातचीत करने के लिए अधिकृत किया।

ग्राहम आर्नोल्ड ने ऑस्ट्रेलिया पुरुष फुटबॉल कोच के पद से इस्तीफा दिया

मेलबर्न,20 सितंबर 2024। ग्राहम आर्नोल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे ऑस्ट्रेलिया के 2026 विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान की निराशाजनक शुरुआत के बाद उनके छह साल के दूसरे कार्यकाल का अंत हो गया है।बहरीन से 1-0 की घरेलू हार और उसके बाद इंडोनेशिया के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ ने टीम की दिशा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं।

आर्नोल्ड ने फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया (एफए) के मुख्य कार्यकारी जेम्स जॉनसन के समर्थन के बावजूद एक सप्ताह पहले ही अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। जॉनसन ने 61 वर्षीय कोच का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया था, उनका मानना था कि वह अभी भी टीम को वापस पटरी पर ला सकते हैं।

मार्नस लाबुशेन ने वनडे क्रिकेट में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली,20 सितंबर 2024। इंग्लैंड के साथ खेले गए पहले वनडे मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से जीत लिया है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्टार क्रिकेटर मार्नस लाबुशेन ने कुछ ऐसा कर दिखाया है, जिसकी चर्चा चारों तरफ हो रही है। मार्नस ने इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा मैच विनिंग प्रदर्शन किया है, जो आज तक वनडे क्रिकेट के 53 सालों के इतिहास में पहली बार हुआ है। आइए आपको मार्नस के उस महारिकॉर्ड के बारे में बताते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के तूफानी बल्लेबाज, शानदार गेंदबाज और लाजवाब फील्डर मार्नस लाबुशेन ने गुरुवार को इंग्लैंड के साथ खेले गए पहले वनडे मैच में ऐसा कारनामा किया, जो आज तक कभी नहीं हुआ. वह एक वनडे मैच में अर्धशतक जडऩे के साथ-साथ तीन विकेट और चार कैच लेने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं. जी हां, उनसे पहले वनडे क्रिकेट के 53 साल के इतिहास में ऐसा कोई नहीं कर पाया है।

पाकिस्तान को मजबूरी में लेना पड़ा बड़ा फैसला

» इस टीम के खिलाफ सीरीज के लिए शेड्यूल में बदलाव

रावलपिंडी,20 सितंबर 2024। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज अक्टूबर में होनी है। पाकिस्तान को तीनों मुकाबले घर पर खेलने हैं। घर पर पाकिस्तानी टीम पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं कर पा रही है। हाल ही में उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से सीरीज गंवानी पड़ी थी। अब इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शेड्यूल ने बदलाव किया है और इसकी बड़ी वजह भी बताई है।

कराची के स्टेडियम में चल रहा निर्माण कार्य

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान की धरती पर होना है और इसके लिए पाकिस्तान हर कोशिश कर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी का ड्रॉफ्ट शेड्यूल

पीसीबी ने आईसीसी को भेज दिया है, लेकिन अभी तक उसे आधिकारिक नहीं किया गया है। पर जो शेड्यूल पीसीबी ने भेजा है। उसके मुताबिक चैंपियंस ट्रॉफी के मैच कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होने हैं। इसी वजह से कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में निर्माण कार्य चल रहा है।

मुल्तान में होगा दूसरा टेस्ट मैच

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कराची में होना था। लेकिन अब इसे मुल्तान में शिफ्ट कर दिया गया है, जो 15 से 19 अक्टूबर के बीच में खेला जाएगा। मुल्तान दो टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें पहला टेस्ट भी शामिल है, जो 7 से 11 अक्टूबर तक खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 से 28 अक्टूबर तक रावलपिंडी में होगा।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम टेस्ट सीरीज खेलने के लिए 2 अक्टूबर को मुल्तान पहुंचेगी। पीसीबी के निदेशक उस्मान वाहला ने कहा कि मामूली समायोजन के बावजूद, हम प्रशंसकों का समर्थन करने और एक यादगार दौरा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम एक बेहद रोमांचक टेस्ट सीरीज और पाकिस्तान के प्रसिद्ध आतिथ्य का प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। पीसीबी इंग्लैंड की पुरुष क्रिकेट टीम का पाकिस्तान में स्वागत करते हुए रोमांचित है।

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

7-11 अक्टूबर - पहला टेस्ट, मुल्तान
15-19 अक्टूबर - दूसरा टेस्ट, मुल्तान
24-28 अक्टूबर - तीसरा टेस्ट, रावलपिंडी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले हेजलवुड का बयान

जायसवाल और गिल के खिलाफ योजना बनाने पर हमारा ध्यान होगा

मेलबर्न, 20 सितंबर 2024। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा कि उनकी टीम बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल का मुकाबला करने के लिए रणनीति तैयार करने पर अधिक ध्यान देगी क्योंकि उनकी टीम ने इन युवा भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ बहुत कम क्रिकेट खेला है। पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी।

भारत इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर अपना प्रभुत्व बरकरार रखना चाहेगा तो वही घरेलू सरजमीं पर 2018-19 और 2020-21 में लगातार हार का सामना करने के बाद ऑस्ट्रेलिया अपनी मजबूत गेंदबाजी के दम पर पलटवार करना चाहेगा। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ जायसवाल और गिल पिछले कुछ समय में भारत के शीर्ष बल्लेबाज बन कर उभरे है।

हेजलवुड ने 'स्टार स्पोर्ट्स कहा, '' हमारी रणनीति संभवतः उन नए खिलाड़ियों पर अधिक केंद्रित है जिनके खिलाफ हमने ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, जैसे (यशस्वी) जायसवाल और यहां तक कि शुभमन गिल के खिलाफ भी हमने कम खेला है।'' कप्तान पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के साथ ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाजी आक्रमण तिकड़ी में शामिल हेजलवुड ने कहा, ''हमने वर्षों तक विराट (कोहली), रोहित (शर्मा) और अन्य के खिलाफ खेला है, इसलिए हम जानते हैं कि क्या करना है। हमारी योजना वास्तव में ज्यादा नहीं बदलती है। यह बुनियादी बातों के बारे में है। हम लंबे समय से उनका सामना कर रहे है।'' हेजलवुड ने कहा कि जब बुनियादी चीजें सही करने की बात आती है तो ऑस्ट्रेलिया बहुत कम लड़खड़ाता है। उन्होंने कहा, ''हम आम तौर 10 में से नौ बार अपनी योजनाओं पर कारगर रहते है। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि परिस्थितियों के मुताबिक ढलना होता है। पूरे दिन या पारी में चीजें बदलती रहती है। हमारी कोशिश योजनाओं को क्रियान्वित करने की होती है।

एमआई की फ्रेंचाइजी टीम ने लिया बड़ा फैसला

8 खिलाड़ियों को किया रिटेन

यूएई, 20 सितंबर 2024। आईपीएल 2025 का सीजन अगले साल अप्रैल में खेला जाएगा लेकिन रिटेंशन पॉलिसी को लेकर अब तक कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच एमआई की फ्रैंचाइजी टीम ने बड़ा ऐलान कर दिया है। दरअसल,यूएई में खेली जाने वाली आईएल टी 20 के तीसरे सीजन के लिए एमआईकी फ्रैंचाइजी टीम एमआई एमिरेट्स समेत सभी 6 टीमों ने अपने स्क्वाड को लेकर बड़ी घोषणा कर दी है। आईएलटी20 के तीसरे सीजन का अगले साल 11 जनवरी 2025 से आगाज होगा और फाइनल मैच 9 फरवरी 2025 को खेला जाएगा। इस बार भी टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी।

आईएलटी20 ने आधिकारिक ऐलान करते हुए बताया कि टूर्नामेंट के तीसरे सीजन में जेसन रॉय (शारजाह वॉरियर्स), फखर जमान (डेजर्ट वाइपर्स), शाई होप (दुबई कैपिटल्स), लॉकी फर्ग्यूसन (डेजर्ट वाइपर्स), रोस्टन चेस (अबू धाबी नाइट राइडर्स), मैथ्यू वेड (शारजाह वॉरियर्स), इब्राहिम जादरान (गल्फ जायंट्स) और रोमारियो शेफर्ड (एमआई एमिरेट्स) जैसे सितारे पहली बार खेलते नजर आएंगे।

इंटरनेशनल मैच से पहले विवादों में घिरा नया ग्वालियर स्टेडियम

ग्वालियर, 20 सितंबर 2024। भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच ग्वालियर के नए स्टेडियम में खेला जाना है, लेकिन इससे पहले ही स्टेडियम में विवाद हो गया। हालात ऐसे बन गए हैं कि खुद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को हस्तक्षेप करना पड़ा और सख्ती दिखानी पड़ी. दरअसल, नए स्टेडियम में भी सीवेज भरा हुआ है और बारिश के कारण बाउंड्री लाइन ढह गई है।

ये खबर बीसीसीआई तक पहुंच गई और ऐसे में सिंधिया को मामला समझ आया और उन्होंने अधिकारियों की क्लास लगा दी। दिल्ली से ग्वालियर पहुंचे सिंधिया ने कल शाम होटल रेडिसन में जीडीएसए, एमपीसीए और जिला अधिकारियों से चर्चा की और जिम्मेदारियां स्पष्ट करते हुए काम समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। श्री सिंधिया ने कहा कि तत्काल सीमांकन रेखा बनाई जाए और पानी को तत्काल हटाया जाए। इसी स्टेडियम में 6 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच वनडे मैच खेला जाएगा।

दीपक तिजोरी हुए 1 करोड़ से अधिक की ठगी के शिकार

महेश भट्ट निर्देशित फिल्म आशिकी के एक्टर दीपक तिजोरी को करोड़ों रुपये की चपत लग गई है। ये चपत किसी और ने नहीं फिल्म प्रोड्यूसर विक्रम खाखर ने ही लगाई है।

विक्रम खाखर के खिलाफ ठगी का ये मामला उन्होंने अंबोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया है। इसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

दीपक ने बताया कि उनकी 2019 में विक्रम खाखर से मुलाकात हुई थी। उन्होंने खाखर के सामने फिल्म बनाने की इच्छा जाहिर की थी। इस पर खाखर ने उन्हें मदद का भरोसा जताया था। एक्टर ने बताया कि वह फिल्म की शूटिंग भारत में नहीं, बल्कि लंदन में करना चाहते हैं। खाखर ने कहा कि वो इसमें उनकी मदद कर सकते हैं। एक्टर ने खाखर को 3 मार्च 2020 को फिल्म की शूटिंग में आने वाले खर्च के लिए 1 करोड़ 74 लाख रुपए भी दे दिए। इसी बीच, कोरोना ने दस्तक दे दी तो खाखर ने उनसे कहा कि कोरोना की वजह से सब कुछ बंद पड़ा है। इस वजह से अभी फिल्म की शूटिंग मुमकिन नहीं है। दीपक ने भी उनकी बात मान ली, लेकिन जब कोरोना का कहर थमा, तब भी खाखर ने एक्टर को कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया। वह फिल्म की शूटिंग को लेकर लगातार टालमटोल करते रहे। दीपक ने कई बार खाखर को इस संबंध में फोन तो कभी मेसेज किए, लेकिन उनकी तरफ से कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया। इसके बाद एक्टर का शक खाखर पर गहराया।

देवरा का नया पोस्टर जारी; पहली बार दिखी जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जाह्नवी की तिकड़ी

अभिनेता जूनियर एनटीआर को पिछली बार फिल्म आरआरआर (2022) में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई।अब प्रशंसक उनकी आगामी फिल्म देवरा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए जाह्नवी कपूर दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने वाली हैं। दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब देवरा का पहला पोस्टर सामने आ गया है।देवरा के नए पोस्टर में पहली बार एनटीआर, सैफ और जाह्नवी की तिकड़ी देखने को मिल रही है। इसमें एनटीआर की जोड़ी जाह्नवी के साथ बनी है, वहीं फिल्म में सैफ और एनटीआर का सामना देखने को मिलने वाला है।यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

इसके निर्देशन की कमान कोराताला शिवा ने संभाली है।यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसका इंतजार न सिर्फ साउथ, बल्कि हिंदी भाषी दर्शकों को भी है।एनटीआर स्टारर देवरा पार्ट 1 अपनी रिलीज से पहले कई रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है. वह अपने खाते में एक और रिकॉर्ड दर्ज कर लेंगी. यूके में डॉल्बी एटमॉस पर प्रदर्शित होने वाली पहली तेलुगू फिल्म बनने जा रही है.देवरा पार्ट 1 को चार मॉडरेशन के बाद सीबीएफसी ने यू/ए सर्टिफिकेट दिया है. इस पैन इंडिया फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट 22 सितंबर, 2024 को होने की उम्मीद है. इस बीच, टीम देश के अलग-अलग राज्यों में फिल्म का प्रमोशन करने में जुटी हुई है. एनटीआर आर्ट्स और युवासुधा आर्ट्स की निर्मित फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए उतरेगी.

श्वेता तिवारी ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

चेहरे पर क्यूट सी स्माइल ने फैंस के बीच लूटी लाइमलाइट

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी का जादू फैंस के बीच इस कदर चलाया है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की थी। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।श्वेता तिवारी बढ़ती हुई उम्र में और भी ज्यादा खूबसूरत होती जा रही हैं। उम्र के साथ उनकी हॉटनेस भी बढ़ती जा रही है। बता दें कि एक्ट्रेस किसी भी आउटफिट में अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं तो फैंस उन पर से नजरें नहीं हटा पाते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और हॉट अवतार देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जितनी खूबसूरत पहले हुआ करती थी आज भी उतनी ही सुंदर है। वहीं, फिटनेस के मामले में भी उनका कोई जवाब नहीं है। श्वेता तिवारी 43 साल की हो गई हैं, लेकिन आज भी उनके चेहरे का नूर बिल्कुल पहले जैसा ही है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने फ्लोरल व्हाइट प्रिंट लुक में थाई स्लिट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, नो मेकअप लुक और चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने श्वेता तिवारी के इस लुक पर चार चांद लगा दिया है। उनका ये हॉट अवतरा इंटरनेट पर शेयर होते ही बवाल मचाने लग गया है।इंडियन हो या वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है।

सीएम साय की कैबिनेट बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

कैबिनेट बैठक में लिया गया निर्णय कि सरगुजा से लेकर बस्तर तक क्या होगा

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण

माननीय मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा विधायक (अ.जा. आरक्षित) प्राधिकरण के उपाध्यक्ष होंगे। राज्य मंत्रिमण्डल के दो मंत्रियों के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रीगणों, संबंधित क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद, प्राधिकरण के जिला पंचायत अध्यक्ष (अ.जा.), अनुसूचित जाति विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग प्राधिकरण के सदस्य तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव इस प्राधिकरण के सदस्य सचिव होंगे। अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश के अनुरूप सदस्य के रूप में शामिल किए गए 10 विधायकों को यथावत रखा गया है।

राज्य मंत्रिमण्डल ने राज्य में गठित पांचों विकास प्राधिकरणों के पुनर्गठन आदेश में आंशिक रूप से संशोधन की मंजूरी दी है। इस संशोधन से पांचों प्राधिकरणों में जनप्रतिनिधित्व का दायरा काफी विस्तृत किया गया है। पांचों प्राधिकरणों में अब राज्य मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रीगणों को सदस्य के रूप में शामिल करने के साथ ही संबंधित क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद एवं प्राधिकरण क्षेत्रों के जिला पंचायत अध्यक्षों को अब इसका सदस्य बनाया गया है। पांचों प्राधिकरणों में प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। शेष सभी सदस्य यथावत रहेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में प्रस्तावित संशोधन को मंत्रिमण्डल ने मंजूरी दी, जिसके तहत मुख्यमंत्री प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं क्षेत्र के विधायक उपाध्यक्ष होंगे। इस प्राधिकरण में सदस्य के रूप में शामिल पूर्व में मात्र तीन विभागों के मंत्री के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त माननीय मंत्रीगणों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद, प्राधिकरण क्षेत्र के जिला पंचायत अध्यक्ष प्राधिकरण के सदस्य होंगे। प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को प्राधिकरण के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश के अनुसार पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल 35 विधायकगणों को और अन्य सदस्यों को यथावत रखा गया है।

मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण

माननीय मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा क्षेत्र के विधायक (अ.ज.जा. आरक्षित) उपाध्यक्ष होंगे। प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में किए गए संशोधन के अनुसार अब दो मंत्रीगणों के स्थान पर राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त मंत्रीगणों तथा प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद एवं जिला पंचायत अध्यक्ष को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इस प्राधिकरण में आदिवासी विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को सदस्य के रूप में तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव इसके सदस्य सचिव होंगे। इस प्राधिकरण में पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल 12 विधायकों को यथावत रखा गया है।

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में संशोधन किया गया है। माननीय मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं क्षेत्र के विधायक (अ.ज.जा. आरक्षित) उपाध्यक्ष होंगे। पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल आदिम जाति कल्याण विभाग मंत्री एवं वित्त मंत्री के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त मंत्रीगण प्राधिकरण के सदस्य होंगे। प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद, प्राधिकरण क्षेत्र के जनजाति बाहुल्य जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष भी अब प्राधिकरण के सदस्य होंगे। आदिवासी विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग प्राधिकरण के सदस्य पुनर्गठन आदेश के अनुसार पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल 35 विधायकगणों को और अन्य सदस्यों को यथावत रखा गया है।

बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण

माननीय मुख्यमंत्री जी इस प्राधिकरण के अध्यक्ष और प्राधिकरण क्षेत्र के निर्वाचित विधायक (अ.ज.जा. आरक्षित) इसके उपाध्यक्ष होंगे। पूर्व में सदस्य के रूप में शामिल मात्र दो मंत्रियों के स्थान पर अब राज्य मंत्रिमण्डल के समस्त मंत्रीगणों, प्राधिकरण क्षेत्र के राज्यसभा, लोकसभा के सांसद तथा प्राधिकरण क्षेत्र के जनजातीय बाहुल्य जिलों के जिला पंचायत अध्यक्ष को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। आदिवासी विकास से जुड़े अधिकतम दो समाजसेवी व विशेषज्ञ (राज्य शासन द्वारा मनोनीत), मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इस प्राधिकरण के सदस्य तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव इसके सदस्य सचिव होंगे। प्राधिकरण में सदस्य के रूप में पूर्व में शामिल 12 विधायकगणों को यथावत सदस्य रखा गया है।

तथा मुख्यमंत्री जी के प्रमुख सचिव/सचिव प्राधिकरण के सदस्य सचिव होंगे। प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश के अनुसार इसमें सदस्य के रूप में शामिल 14 विधायकगणों को यथावत शामिल किया गया है।

❧ मुख्यमंत्री जी के स्वेच्छानुदान मद से 262 व्यक्ति एवं संस्थाओं को 4 करोड़ 56 लाख 72 हजार रूपये स्वीकृत राशि का अनुमोदन किया गया।

शहरी विकास नीति (टी.डी.एस.) का अनुमोदन

राज्य के शहरों के सुव्यवस्थित विकास और राज्य की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मंत्रिपरिषद द्वारा एक बड़ा निर्णय लिया गया। जिसके तहत भूखण्डों का पुनर्गठन और प्रदेश में स्वीकृत विकास योजना के क्रियान्वयन हेतु शहरी विकास नीति (टी.डी.एस.) का अनुमोदन किया गया। इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने हेतु आवास एवं पर्यावरण विभाग को अधिकृत किया गया है। प्रदेश में विकास योजनाओं में प्रस्तावित जनोपयोगी भूमि के समुचित रूप से विकास करने, अतिक्रमण तथा अवैध निर्माणों को हतोत्साहित करने एवं शहरी आबादी को आधुनिक नागरिक सुविधाओं के अभाव और असुविधाओं के निराकरण के लिए इस शहरी विकास नीति का निर्धारण किया गया है। नगर विकास योजना आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक अथवा अन्य प्रयोजन हेतु क्रियान्वित की जा सकेगी।

» प्राधिकरणों में नियुक्ति को लेकर सरकार ने पलटा कांग्रेस सरकार का फैसला

रायपुर,20 सितंबर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए - मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण तथा बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के पुनर्गठन आदेश में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

स्कूल शिक्षा विभाग ने 64 दिनों की छुट्टी का किया ऐलान

रायपुर,20 सितंबर 2024(ए)। अगर आप या आपके बच्चे भी स्कूल स्टूडेंट्स है तो यह खबर आप ही के काम की है। दरअसल इस साल स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रों के लिए 64 दिनों की छुट्टियों की घोषणा की है। दशहरा और दीपावली में 6-6 दिन की छुट्टियां रहेंगी, जबकि शीतकालीन अवकाश 6 दिनों का होगा। गर्मी की छुट्टियां 46 दिनों की रहेंगी, जिससे कुल मिलाकर 64 दिनों के अवकाश का आदेश जारी किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर ने शिक्षा सत्र 2024-25 (26 जून 2024 से 30 अप्रैल 2025) के लिए अवकाश की जानकारी दी है।

दशहरा की छुट्टियां: 7 से 12 अक्टूबर
दीपावली का अवकाश: 28 अक्टूबर से 2 नवंबर
शीतकालीन अवकाश: 23 से 28 दिसंबर
गर्मी की छुट्टियां: 1 मई से 15 जून 2025 तक

राजस्व मंत्री पर पैसे लेकर ट्रांसफर करने का आरोप लगाने वाला तहसीलदार हुआ सस्पेंड

रायपुर,20 सितंबर 2024(ए)। राजस्व मंत्री पर पैसे लेकर ट्रांसफर करने का आरोप लगाने वाले सिमगा के तहसीलदार नीलमणि दुबे को सस्पेंड कर दिया गया है। राजस्व आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव ने आदेश जारी किया।सिमगा के तहसीलदार नीलमणि दुबे ने तहसीलदार संघ के अध्यक्ष को राजस्व मंत्री के खिलाफ सार्वजनिक रूप से मीडिया में बयान दिया था। जिसमें उन्होंने मंत्री पर ट्रांसफर पोस्टिंग में पैसे लेने का आरोप लगाया था।आदेश में कहा गया है कि तहसीलदार का आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा अधिनियम का उल्लंघन है। इस कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जा रहा है। फ़िलहाल निलंबन अवधि में तहसीलदार को मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी मुख्यालय में पदस्थ किया गया है।

वन विभाग में रॉयल्टी गड़बड़ी, सरकार को 3 करोड़ 80 लाख का चूना

बिलासपुर,20 सितंबर 2024(ए)। पेंड्रा क्षेत्र में वन विभाग के निर्माण कार्यों में 3 करोड़ 80 लाख की रॉयल्टी गड़बड़ी के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान वन विभाग की ओर से एक भी रॉयल्टी रसीद पेश नहीं की गई। विभाग ने कहा कि रॉयल्टी उनके दफ्तर में रखा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को शासन के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया है, और मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी। मामला पेंड्रा के वन क्षेत्र में 121 एनिकटो (छोटे बांध) के निर्माण से जुड़ा है। इस निर्माण कार्य के लिए बड़ी संख्या में ट्रकों और हाइवा के माध्यम से रेत और गिट्टी जैसी खनिज सामग्री की सप्लाई की गई। नियमों के अनुसार, हर वाहन से रॉयल्टी की रसीद लेकर ही भुगतान किया जाना था, लेकिन वन विभाग ने बिना रसीद देखे ही खनिज परिवहनकर्ताओं को पूरा भुगतान कर दिया। इनमें करीब 3 करोड़ 80 लाख रुपये की रॉयल्टी सरकार को मिलनी थी। इस अनियमितता को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता पुष्पराज सिंह ने वन विभाग में आरटीआई लगाया। उन्हें कई बार डीएफओ और रेंज ऑफिसर के कार्यालय से रसीदें देने का आश्वासन मिला, लेकिन बाद में पता चला कि रॉयल्टी पर्चियां वन संरक्षक बिलासपुर के कार्यालय में हैं। शिकायत के बाद माइनिंग विभाग ने अपनी जांच शुरू की, और पुष्पराज सिंह ने एडवोकेट भास्कर प्यासी के माध्यम से इस मामले में जनहित याचिका हाईकोर्ट में दाखिल की।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और जस्टिस गुरु की खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि शासन ने कोर्ट में एक भी रसीद पेश नहीं की है, जबकि वे दावा कर रहे थे कि रसीदें वन विभाग के पास हैं। सरकार की ओर से कहा गया कि पर्चियां वन विभाग के कार्यालय में मौजूद हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को प्रत्युत्तर पेश करने के निर्देश दिए और मामले की अगली सुनवाई 3 सप्ताह बाद तय की गई।

मुख्यमंत्री की पहल पर स्वास्थ्य विभाग में जल्द होगी 650 पदों पर भर्ती

रायपुर,20 सितंबर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पतालों में उन्नत चिकित्सकीय उपकरण के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती भी की जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश के परिपालन में वित्त विभाग ने स्वास्थ्य विभाग में रिक्त विभिन्न 650 पदों पर भर्ती की अनुमति दे दी गई है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि वित्त विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग को स्टॉफ नर्स, टेक्नीशियन, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, ड्रेसर, वार्ड व्वाय, वार्ड आया आदि के कुल 650 पदों पर भर्ती के लिए अनुमति प्रदान की गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मी भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर उक्त पदों की भर्ती की जाएगी। वित्त विभाग द्वारा स्टॉफ नर्स के 225, सायकेट्रिक नर्स के 5, ओ.टी. टेक्नीशियन के 15, डेंटल टेक्नीशियन के 5, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरूष एवं महिला के 100-100, सहायक ग्रेड-3 एवं फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 25-25, ड्रेसर ग्रेड-1 के 50, तथा वार्ड व्वॉय एवं वार्ड आया के 50-50 इस प्रकार कुल 650 पदों पर भर्ती के अनुमति स्वास्थ्य विभाग को दी गई है।

भ्रष्टाचार पर सीएम विष्णुदेव साय का जीरो टॉलरेंस

से अपने अधिकारियों को छात्रों और आम लोगों से बात करने के दौरान संयमित भाषा का प्रयोग करने को कहा. साथ ही अधिकारियों के ऐसा नहीं करने पर सीएम ने कलेक्टर्स पर एक्शन लेने की बात कही.

पीएम आवास योजना में गड़बड़ी होने पर सीएम की दो टूक- 17 सितंबर को मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम के दौरान भी सीएम विष्णुदेव साय ने दो टूक कहा कि छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना में मामूली सी गड़बड़ी भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसा होने पर सबसे पहले संबंधित जिले के कलेक्टर नापे जाएंगे।

» पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक को किया निलंबित

रायपुर,20 सितंबर 2024 (ए)। बीते दिनों छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम की तरफ से छापी गई शैक्षणिक सत्र 2024-25 की नई किताबों को कबाड़ में बेचे जाने का मामला सामने आया था। घटना पर तुरंत एक्शन लेते हुए सीएम साय ने अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले को घटना के तुरंत जांच के निर्देश दिए। में छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के महाप्रबंधक प्रेम प्रकाश शर्मा की लापरवाही सामने आई। जिसके बाद सीएम साय ने जांच में दोषी पाए गए राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर को निलंबित कर दिया।

मुख्यमंत्री साय का भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस- कलेक्टर एसपी कॉफ्रेंस में कड़े तेवर दिखाने के बाद मुख्यमंत्री ने निलंबन की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रशासनिक लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएम साय ने बीते दिनों दो दिवसीय कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों को खुली चेतावनी दी थी। । उन्होंने सभी जिलों के कलेक्टर

रद्दी में मिले स्कूली किताबों के मामले में बड़ी कार्रवाई

पाठ्यपुस्तक प्रभारी समेत 3 निलंबित

राजधानी के रियल बोर्ड पेपर मिल में मिले सरकारी किताबों के मामले में पाठ्यपुस्तक प्रभारी समेत 3 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। सिलयारी स्थित रियल पेपर मिल में मिले सरकारी किताबों के मामले को पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने उठाया था। इस पर शासन स्तर पर जांच दल का गठन किया गया था। उनकी रिपोर्ट की अनुशंसा पर स्कूल शिक्षा विभाग ने एक्शन लेते हुए पाठ्यपुस्तक प्रभारी प्रमोद अमर बेल एक्का सहा. ग्रेड-2, सहयोगी अजित गुप्ता भृत्य और जितेन्द्र साहू भृत्य को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सूरजपुर के अनुविभागीय अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर हुई है। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व विधायक विकास उपाध्याय की शिकायत सही पाई गई और पूरे मामले में चोरी की पुष्टि हुई। सूरजपुर जिला शिक्षा अधिकारी ने संचालक, लोक शिक्षण को प्रतिवेदन भेज दिया है। मामले में शिक्षा विभाग कानूनी कार्यवाही की तैयारी में है।

राहुल गांधी को गिरफ्तार करने की मांग

रायपुर के बाद बिलासपुर में भी एफआईआर दर्ज

रायपुर/बिलासपुर,20 सितंबर 2024(ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने का सिलसिला शुरू हो गया है। राजधानी रायपुर में गुरुवार को दर्ज एफआईआर के बाद अब बिलासपुर में भी राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। इसके अलावा प्रदेश के पांचो संभागों में शिकायत दर्ज कराई गई। बता दें कि हाल ही में अमरीका प्रवास के दौरान राहुल गांधी ने सिख समाज को लेकर बयान दिया था, जिसके बाद से देशभर में राहुल के बयान के बाद से सियासत गरमा गई है और मामले लगातार शिकायत दर्ज कराई जा रही है। राहुल गांधी के अमेरिका प्रवास के दौरान दिए गए बयानों को लेकर बिलासपुर के सिविल लाइन थाने में भाजपा पार्षदों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई. लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की धारा 299 और 302 के तहत राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। शिकायत में भाजपा पार्षदों ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने अमेरिका प्रवास में सिख समाज के धार्मिक

प्रतीक पगड़ी और कड़ा को लेकर भी अमर्यादित और अप्रासांगिक टिप्पणी करके भारतीय लोकतंत्र भारत की सर्व समावेशी और सर्वस्पर्शी संवैधानिक व्यवस्था पर चोट पहुंचाने के साथ-साथ सिख समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है. राहुल गांधी का यह कृत्य भी भारतीय सर्वधर्म समभाव की छवि को बिगाड़ कर विश्व पटल पर सिख समाज को अपमानित करने और भारत की छवि को गलत रूप में प्रस्तुत करने की एक सोची समझी राजनीतिक साजिश को प्रमाणित करता है. मामले में एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।

वनकर्मी का प्रमाण-पत्र निकला फर्जी

मरवाही,20 सितंबर 2024(ए)। मरवाही वनमंडल पेंड्रारोड में फर्जी प्रमाण पत्र और झूठी जानकारी के सहारे नौकरी प्राप्त करने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है सहायक ग्रेड कर्मचारी परमेश्वर गुर्जर को छत्तीसगढ़ सिविल

सेवा नियम 1965 के नियम 3 के उल्लंघन के चलते बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई मरवाही वनमंडल रौनक गोयल ने की है, जिन्होंने शिकायत के बाद जांच कराने पर मामले को सही पाया। फर्जी मार्कशीट और दस्तावेज के सहारे नौकरी करने के इस मामले में शिकायतकर्ता एमएस बेग बिलासपुर और गौरीशंकर श्रीवास रायपुर के द्वारा फर्जी मार्कशीट की झूठी जानकारी देकर वन विभाग में नौकरी प्राप्त करने की शिकायत की गई थी। मामले में जांच के बाद पाया गया कि परमेश्वर गुर्जर सहायक ग्रेड 03 वर्ष 1997 के पूर्व दैनिक श्रमिक के रूप में कार्यरत नहीं था।

प्राधिकरणों में नियुक्ति शुरू,गोमती साय,खुशवंत साहेब को बनाया गया इन प्राधिकरण का उपाध्यक्ष

रायपुर,20 सितंबर 2024(ए)। प्राधिकरणों , निगम, मंडलों में नियुक्ति की प्रकिया शुरू हो गया है। हालांकि एक साथ लंबी लिस्ट जारी नहीं हो रही है, लेकिन प्राधिकरणों में नियुक्तियों की सूची जारी हो गयी है। पत्थलगांव से विधायक गोमती साय को सरगुजा विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं आरंग से विधायक गुरु खुशवंत साहिब को अनुसूचित जाति प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)